

सामूहिक वन संसाधन प्रबंधन व नियोजन

(वन अधिकार कानून २००६ अंतर्गत)

आठनाडा

२०१७-२०२७



रचना : ग्रामसभा आठनाडा

तकनिकी सहयोग : खोज

आभार

वन अधिकार कानून अंतर्गत सामुहिक वन अधिकारों को मान्यता मिलना यह एक ऐतिहासिक प्रक्रिया है। परंतु असली काम तो अधिकार के आगे ग्रामसभा द्वारा सामुहिक वन संसाधनों के प्रबंधन एवं शास्वत उपयोग का है। समूचे देश में अधिकारों की मान्यता मिलने पर भी प्रबंधन-नियोजन की प्रक्रिया काफी मंद गति से आगे बढ़ रही है।

महाराष्ट्र में वर्ष 2013 से शुरुवात में यु.एन.डी.पी. (U.N.D.P.) के सहकार्य से तथा उसके पश्चात आदिवासी विकास विभाग, महाराष्ट्र सरकार की पहल से अब कई गांव में प्रबंधन तथा संरक्षण नियोजन की प्रक्रिया चलाई जा रही। इसके तहत वर्ष 2016 से मेलघाट क्षेत्र के कुछ गांव के सामुहिक वन अधिकार प्रबंधन तथा संरक्षण नियोजन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस प्रक्रिया के लिये व्ही.एन.सी.एस. (V.N.C.S.) के तथा आदिवासी विकास विभाग के हम आभारी हैं।

इस प्रक्रिया में खोज संस्था ने ग्रामसभा के साथ मिलकर यह प्रक्रिया चलाई और उम्मीद है, इस प्रक्रिया से सामुहिक वन अधिकारों के अमल को सही दिशा प्राप्त होगी। इस पूरी प्रक्रिया को आगे ले जाने में ग्रामसभाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ग्रामसभायें अपने अनुभव व अभ्यास के आधार पर इसमें बदलाव लाने का हक रखती हैं।

इस प्रक्रिया के साथ जुड़े सभी साथियों का बहुत बहुत आभार...!



सत्यमेव जयते

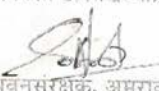
भारत सरकार
जमाती कार्य मंत्रालय
अनुसूचित जमाती व इतर पारंपारिक वन निवासी (वन हक्क मान्य करणे) नियम, २००८
सामूहिक वनहक्कांचे हक्क
जोडपत्र - तीन
(पहा नियम (८)(ज))

- | | |
|--|---|
| १. सामूहिक वनहक्कधारकाचे नाव/ धारकांची नावे | : हटनादा येथील ग्रामस्थ |
| २. गाव/ग्रामसभा | : रा. हटनादा ता. धारणी जि. अमरावती. |
| ३. ग्रामपंचायत | : रा. हटनादा ता. धारणी जि. अमरावती |
| ४. तहसील/ तालुका | : काटकूम |
| ५. जिल्हा | : धारणी |
| ६. अनुसूचित जमाती आहे की/ इतर पारंपारिक वननिवासी आहे | : अमरावती |
| ७. सामूहिक हक्काचे स्वरूप | : अनुसूचित जमातीचा समूह- व इतर पारंपारिक वननिवासी समूह
कंपार्टमेंट नं. ६९२ क्षेत्र १५४.३९ हे. आर
जमिनीमध्ये गोंण वनांपादन, मासे मारणे, जलसंपत्ती, जैविक विविधता, बौद्धिक संपत्ती, स्मशान भुमी, पूजा स्थान व पुजास्थानावर जाण्या योग्याचे रस्ते, चराई इत्यादी सामूहिक कामाचे व वनाचे संरक्षण, संवर्धन, पुनर्निर्माण व व्यवस्थापन |
| ८. शर्ती काही असल्यास | : शर्ती व अटी मागील पृष्ठावर नमूद केल्यानुसार |
| ९. रुढी प्राप्त सीमांसह/किंवा खासरा / खंड क्रमासह ठळक सीमांचिन्हे दर्शवून केलेले सिमांचे वर्णन | : कंपार्टमेंट नं. ६९२ क्षेत्र १५४.३९ हे. आर |

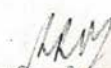
सामूहिक वनहक्क धारकाचे नांव (धारकांची नावे)

हटनादा येथील सर्व ग्रामस्थ

आम्ही खालील सही करणार, याद्वारे महाराष्ट्र शासन यांच्यासाठी व त्यांच्या वतीने, सामूहिक वनहक्काच्या उपरोल्लिखित धारकांना शिंपकात उल्लेखितल्याप्रमाणे वनहक्क कायम करण्यासाठी, आमच्या स्वाक्षऱ्या करीत आहोत.


उपवनसंरक्षक, अमरावती विभाग,
अमरावती


अपर आयुक्त, आदिवासी विभाग,
अमरावती


जिल्हाधिकारी, अमरावती

अनुक्रमणिका

अ.क्र	विवरण	पान क्र
	आठनाडा एक नजर मे	५
	परिप्रेक्ष्य	६
	वन अधिकार धारको के कर्तव्य	७
	गांव का इतिहास : वन - लोकजीवन	९
	गांव समाज की स्थिती	११
	वन तथा जैव विविधता का वर्तमान स्वरूप	१५
	वन संसाधनो का इस्तेमाल : वर्तमान जरूरते	३२
	प्रबंधन के निर्धारित लक्ष्य	३५
	वन नियोजन की दिशा	३६
	संसाधन आरेखन पद्धती	३८
	प्रबंधन नियोजन प्रक्रिया	३९
	भविष्य का प्रबंधन एवं सुझाव (वन, कृषी, समुदाय)	४०
	नियम तथा दस्तावेजी नोंद	४४
	विवादों का निराकरण	४५
	परिशिष्ट : 1) सुक्ष्म नियोजन	
	2) स्थानिक तथा शास्त्रीय नाम	
	3) ग्रामसभा की नोटीस तथा ठराव	
	4) संक्षिप्त	

आठनाडा : एक नजर में

- तहसिल : धारणी जिला : अमरावती.
- कुल सामुदायिक वन अधिकार क्षेत्र 154.31 हेक्टर आर.
- कुल परिवार : 64
- सभी परिवार सामुहिक वन अधिकार धारक है।
- मूल निवासी : आदिवासी (अनुसूचित जनजाती)
- वन संसाधन : मध्यम दर्जे का साधारण वन मिश्र पेड-वृक्ष, वनस्पती प्रजातीयों साधारण संख्या एवं स्वरूप में।
- गांव एवं वन : जलागम क्षेत्र का संवर्धन कर वन वृद्धि करने के इच्छुक लोग। अल्प खेती, रोजगार हमी की मजदूरी के अलावा मौसमी स्थलांतरित मजदूरी कार्य करने वाले परिवारों को गांव क्षेत्र में वनों के कार्य का विकल्प तथा आजीविका सुनिश्चित करने का बेहतर अवसर।

2. परिप्रेक्ष्य

वन अधिकार कानून 2006 में सामुहिक वन अधिकार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रावधान आदिवासी एवं परंपरागत वन निवासी (वन अधिकार मान्यता) कानून 2006 भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 में मान्य किया गया। कानून की धारा (3) अंतर्गत सामुहिक वन अधिकार से जुड़े निम्न प्रावधानों को मान्य किया गया है।

3 (1) ख : सामुदायिक अधिकार, जैसे की, निस्तार अथवा, चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो, जिनके अंतर्गत तत्कालिन राजाओं के राज्यों, जमीनदारों या ऐसे अन्य मध्यवर्ती शासनों में प्रयुक्त अधिकार भी सम्मिलित है।

3 (1) ग : गौण वन उत्पादों के, जिनका गांव की सीमा के भीतर या बाहर पारंपारिक रूप से संग्रह किया जाता रहा है, स्वामित्व, संग्रह करने के लिए पहुँच, उनका उपयोग और व्ययन (Dispose) का अधिकार रहा है।

3 (1) घ : यायावरी या चारागाही समुदायों को मस्त्य और जलाशयों के अन्य उत्पाद, चरागाह (स्थापित और घुमंतू दोनों) उपयोग या उनपर हकदारी और पारम्परिक मौसमी संसाधनों तक पहुँच के अन्य सामुदायिक अधिकार।

3 (1) झ : ऐसे किसी सामुदायिक वन संसाधन का संरक्षण, पुनरुज्जीवित या संरक्षित या प्रबंध करने का अधिकार, जिसका वे सतत उपयोग के लिए परंपरागत रूप से संरक्षण कर रहे हैं।

3 (1) ट : जैव विविधता तक पहुँच का अधिकार और जैव विविधता तथा सांस्कृतिक विविधता से संबंधित बौद्धिक संपदा और पारंपरिक ज्ञान का सामुदायिक अधिकार।

अधिकार धारकों को संरक्षा हेतु निर्वाह करने वाले कर्तव्यों के बावद कानून के भाग 5 में निम्न प्रावधान किये गये हैं।

वन अधिकारों के धारकों के कर्तव्य

5. किसी वन्य अधिकार के धारक, उन क्षेत्रों में जहाँ इस अधिनियम के अधिन किन्ही वन अधिकारों के धारक है, ग्रामसभा और ग्राम स्तर की संस्थाएँ निम्नलिखित के लिए सशक्त है.

(क) वन्य जीव, वन और जैव विविधता का संरक्षण करना।

(ख) यह सुनिश्चित करना कि, लगा हुआ जलागाम क्षेत्र, जल स्रोत और अन्य परिस्थितिकिय संवेदनशील क्षेत्र पर्याप्त रूप से संरक्षित है।

(ग) यह सुनिश्चित करना कि, वन में निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासीयों का निवास किसी प्रकार के विनाशकारी व्यवहारों से संरक्षित है जो उनकी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को प्रभावित करती है।

(घ) यह सुनिश्चित करना कि सामुदायिक वन संसाधनों तक पहुँच को विनियमित करने और ऐसे किसी क्रियाकलाप को रोकने के लिए, जो वन्य जीव, वन और जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, ग्राम सभा में लिए गए विनिश्चयों (निर्णयों) का पालन किया जाता है।

इस कानून के 14 वे भाग में, केंद्र सरकार ने इस कानून के प्रावधानों पर अमल होने के लिए आगे नियम बनाये है।

अनुसूचित जनजाती तथा परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) नियम 2007 यह 1 ली जनवरी 2008 से लागू हुए । नियम 4 में ग्रामसभा के कृत्यमें दर्शाया गया है, अनुसार 4 (1)(ई) की समिती स्थापित करना जो अपने सदस्यों द्वारा इस कानून के भाग 5 के प्रावधानों को आगे चलाने हेतू वन्यजीव, वन तथा जैवविविधता की संरक्षा के लिए कार्य करें।

06/02/2012 को इस नियम में भारत सरकार ने संशोधन किया है। और इसे अब अनुसूचित जनजाती तथा पारंपारीक वन निवासी (वन अधिकार मान्यता) संशोधित नियम 2012 कहलाता है।

4 (1) फ : को बदल कर 4 (1)(ई) कर दिया है जो निचे दिये अनुसार है।

4 (1) : नियम 4 (1) ड: या 4 (1)(ई) अंतर्गत बनी समिती पर उचित देखरेख तथा नियंत्रण करना ताकि वह अपने वन संवर्धन और व्यवस्थापन का नियोजन बना सकें जिससे सामुदायिक संसाधनों का समान और चिरस्थायी व्यवस्थापन आदिवासी तथा अन्य परंपरागत वन निवासीयों के लिए कर सके और अपने व्यवस्थापन नियोजन (Management Plan) को वनविभाग के सूक्ष्म नियोजन या कार्ययोजना में समिती द्वारा यथा उचित माने सुझावों के साथ उसको अंतर्भूत करें।

इस के तहत गठीत की गई समिती ही प्रबंधन-नियोजन का खाका तयार करेगी।

गाव का इतिहास : वन - लोकजीवन

गाव : हटनादा

(अटनादा, हातनादा, हातनाडा, आठनाडा)

आठनाडा गांव मेलघाट क्षेत्र के तहसिल धारणी जिला अमरावती (महाराष्ट्र) के, काटकोम गट ग्राम पंचायत अंतर्गत वनविभाग-पश्चिम मेलघाट में बसा है। तहसिल मुख्यालय धारणी से उत्तर-पूर्वी वन-पहाडी क्षेत्र में लगभग 24 कि.मी अंतर पर निसर्ग रम्य परिसर में स्थित यह आदिवासी (कोरकु) का छोटा सा गांव है।

आठनाडा गांव के पूर्व-दक्षिण भाग में छोटी नदी बहती है गांव के आस-पास जहाँ थोड़ी समतल जगहे है, गांववासीयों की खेत जमीन है तथा इससे आगे चारो ओर पहाड एव जंगल है। गांव से उत्तर में लगभग 15 कि.मी दूरी पर तापी नदी पूर्व-पश्चिम प्रवाह में बहती है जो महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश राज्य की सीमा दर्शाती है। पुराने समय से यहाँ के लोगों का मध्यप्रदेश से संबध-संपर्क रहा है।

अनुसूचित जनजाती एवं परंपरागत वन निवासीयो का वनों पर अधिकार मान्यता कानून 2006-नियम 2008 के तहत, ग्रामसभा-आठनाडाने अपने-पास पुराने समय से आजिविका हेतू इस्तेमाल करते आ रहे वन-क्षेत्र, वन, जल, तथा अन्य सम्पत्ती पर अधिकार का दावा दाखल किया, जिस आधार पर, शासन द्वारा कम्पार्टमेंट क्र. 692 मे 154.31 हे.आर. क्षेत्र मंजूर किया गया।

‘ग्रामसभा’ आठनाडा के सभा में इसके आगे, संरक्षण, संवर्धन, पुनःनिर्माण पर विचार-चर्चा एवं ठराव किये गये। ‘खोज’ संस्था के तकनिकी सहयोग, तथा शासन की विभिन्न विकास कार्य योजनाओं का आधार लेकर ग्रामसभा ने इस दिशा में कार्य शुरू किया।

गांव के बुजुर्ग व्यक्तिओ ने चर्चा मे बताया कि, अंदाजन 100 साल पहले, इस वन क्षेत्र में वन विभाग के लोग उन के पूर्वजों को जंगल-पेड काटने के लिए मजदूर के रूप में प्रत्येक मौसम मे लाते थे। तब जंगल में अलग-अलग जगहों पर मजदूर के कॅम्प लगते थे। जंगल से सागवान तथा अन्य वृक्षों की कटाई के साथ, जहाँ तक जरूरत के मुताबिक कच्चे (पत्थर-मुर्मके) रास्ते भी बनाने पडते थे।

इन मजदूरी कार्य तथा वनों से कंद-मूल,फल,पत्ते-भाजी तथा शिकार एवं मछली-खेकड़े पकड़ कर भोजन की सोय (व्यवस्था) करते थे।

कुछ समय के बाद, इन घने जंगलो में पहाड़ी क्षेत्र के बीच काफी समतल जगह जहाँ नदी के किनारे काफी बड़ा आठना का पेड़ था जिनके जड़ों के भाग से निरंतर रूप से पानी का बड़ा झरना बहता था। यहाँ का पानी लोग पीने के लिए इस्तेमाल करते थे। अतः यह जगह गांव बसाने के लिए लोगो ने सोच-विचार कर निश्चित की। और 7 या 8 झोपड़ीयाँ बनाकर यहाँ इतने परिवार बस गये। इस बस्ती को नाम देने बाबद लोगो ने विचार किया तब उन्हे इन जंगलो में आठना के बहुत सारे पेड़ होने तथा आठना के जड़ के झरने का पानी भी पिने को इस्तेमाल करने का आधार लेकर, आठना-पेड़ तथा कोरकू भाषा में 'डा' मतलब पानी ऐसा मिलाकर गांव का नाम 'आठनाडा' रखना तय हुआ। (जिसे कालांतर में पढ़े-लिखे लोगो की भाषा में शब्द का स्वरूप बदलते, अपभ्रंश होते, हातनादा हो गया।)

'आठनाडा' गाव अगले 20/40 वर्षो में परिवार संख्या/जनसंख्या से बढ़ता गया। लोगो की जरूरते भी बढ़ती गई। जंगल विभाग के काम भी कम होते गये। इस अवधि मे गांव वालो का खेती जोतना बढ़ता गया। साथ ही इस क्षेत्र के जंगल में आठना के वृक्ष बड़ी संख्या में थे, जिसकी लकड़ी मजबूत तथा घर-मकान बनाने के काम मे भी इस्तेमाल की जाती थी। बड़े शहर जैसे मध्यप्रदेश के तहसील बुरहानपुर तथा खंडवा जो जिले का शहर था यहाँ इस लकड़ी को बड़ी मांग थी। वहाँ के बेपारीयो ने आकर गांव वालो से लकड़ी खरेदी शुरू की। अतः कमाई-रोजगार के जरीये के रूप में लोगो ने आठना के पेड़ काट कर बेचना शुरू किया। इस का भाव-मुआवजा भी अच्छा मिलता था। जिससे लोगो के परिवार का गुजर-बसर चलता रहा।

गांव की सामान्य जानकारी कुटुंब सर्वेक्षण से प्राप्त हुई, जिसे हम निम्न तालीकाओं मे देख सकते है।

गांव समाज की स्थिति

जनसंख्या :

कुल परिवार	पुरुष	महिला	कुल संख्या
64	157	165	322

उम्र समुह	महिला	पुरुष	कुल संख्या
0 ते 3 साल	07	08	15
3 ते 6 साल	11	02	13
6 ते 14 साल	24	28	52
14 ते 18 साल	26	21	47
18 ते 35 साल	54	53	107
35 ते 65 साल	43	45	88
65 ते अधिक	0	0	0
कुल	165	157	322

जाती निहाय :

कुल परिवार	ST	SC	NT	OBC	इतर
64	64	00	0	0	0

कुल परिवार	पुरुष प्रधान	महिला प्रधान
64	59	05

अंगणवाडी	10	18	28
----------	----	----	----

शैक्षणिक स्थिती :

शिक्षण	पुरुष	महिला	कुल संख्या
प्राथमिक	70	63	133
उच्च प्राथमिक	14	16	30
शालांत (माध्यमिक)	30	32	62
उच्च शालांत (उच्च माध्यमिक)	09	16	25
पदवी	03	0	03
अन्य	01	0	01
कुल	127	127	254

रेशन कार्ड की स्थिती :

रेशन कार्ड धारक	कुल संख्या
अंत्योदय	00
दारिद्र्य रेखा के निचे	60
दारिद्र्य रेखा के उपर	04
कार्ड नही है।	00

भूमिधारक की स्थिती :

भूमिधारक परिवार	भूमिहिन परिवार
57	07

आजिविका की स्थिती :

अ.क्र	आजिविका के स्रोत	कुल कुटुंब
1)	खेती	57
2)	मजदुरी	07
3)	सरकारी नौकरी	00
4)	अन्य	00

अ.क्र	जनसंख्या कि विभाजित स्थिती	कुल संख्या
1)	विधवा	05
2)	विधुर	03
3)	वयोवृद्ध	00
4)	अंध	00
5)	शारिरिक अपंग	01
6)	परित्यक्ता	-

जनसंख्या विभाजन की स्थिती :

अ.क्र	परिवार	इंधन लकडी	स्थलांतर	पिने की पानी के स्रोत	खेत जमीन
1)	64	1152 प्रतिवर्ष		हातपंप/नल/विहिर	45=67 हे. आर

चारा कि स्थिती :

अ.क्र	पालतु जनावर	कुल संख्या		प्रतिवर्ष जरूरत कि.ग्रॅ.
1)	बैल	92	$X 3 = 276 \quad X 365$	100740
2)	गाय	43	$X 3 = 129 \quad X 365$	47085
3)	भैस	13	$X 5 = 65 \quad X 365$	23725
4)	बकरियाँ	108	$X 1 = 108 \quad X 365$	39420
5)	एकूण	-	-	210970

इस तालीका से प्रमुख समझ में आने वाले मुद्दे :

- इस गाव में लिंग अनुपात में महिलाओं की संख्या अधिक है।
- सभी परिवार आदिवासी समुदाय के हैं।
- 5 परिवार महिला पंमुख के हैं।
- साक्षरता की स्थिति में महिला पुरुष की संख्या बराबर है परंतु उच्च माध्यमिक से आगे कोई महिला वर्ग पढ़ने नहीं पहुँच पाया है।
- माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक तक पढ़ चुके या पढ़ रहे युवतियों की संख्या 48 है अतः इनके लिए रोजगार/स्वयंरोजगार/प्रशिक्षण कार्यक्रम की जरूरत नजर आती है।
- कुल 64 परिवार में से 57 परिवार किसान हैं अर्थात् अल्पभुधारक किसान-मजदूर ही ज्यादा हैं अतः कृषि किसान कार्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

वन तथा जैवविविधता का वर्तमान स्वरूप

ग्रामसभा आठनाडा की बैठक में इस क्षेत्र के वन-संपत्ती का जतन, देखरेख, संरक्षण, संवर्धन के विषय पर चर्चा-विचार किया। आगे निश्चित किए जाने वाले कृती कार्यक्रम का निर्धारण करने के लिए, गा के जानकार 'खोज' का तकनीकी समूह साथ मिल कर वन की वर्तमान स्थिती जानने हेतू प्रत्यक्ष गणना मोजमाप (स्टॉक मॅपिंग) कार्यक्रम तय किया गया। स्टॉक मॅपिंग की प्रक्रिया शुरू करते समय उपयुक्त साधन-जिसमें, सामूहिक वन अधिकार प्राप्त क्षेत्र प्रमाणपत्र प्रत, वनखंड के नक्शे, रस्सी, पेन्ट, चुना, ब्रश, जी.पी.एस. मशीन, कोरे कागज, कार्बन, पेन्सील, शार्पनर, टेलर टेप, कोरे फार्मेट्स, ट्रेस पेपर, आलेख पेपर, स्केल, फाईल, रंग, टर्पेन्टाइन, लाईनींग पेपर, किसानों की यादी, 100मीटर रस्सी, फोटो निकालने के लिए कॅमेरा, तथा उपयुक्त मानवीबल समूह को जोड़-जुटाया गया।

गांव में मुनादी (दवंडी) दे कर सभा बुलाई गई, तथा स्टॉक मॅपिंग प्रक्रिया की चर्चा की गई। सामूहिक वन क्षेत्र के मोजमाप एवं नियोजन की प्रक्रिया में वनविभाग के वनखंड नकाशे अनुसार स्केल-प्रमाण निश्चित कर आलेख पेपर पर बड़ा नकाशा बनाया गया। 154.31हे.के. क्षेत्र का 2 प्रतिशत गिनती कर जाना गया तब 6 चौकोन (डब्बे) 100X100मिटर के गणना करने हेतू तय किए गये। 154.31हे.आ. क्षेत्र में कौन से पेड-वनस्पती है। कौन से ज्यादा थे। साथ ही इस वन क्षेत्र में पहले कौन से पेड-वनस्पतियों के प्रमाण अधिक थे। तथा कम कैसे हुए इस विषय पर चर्चा हुई। साथ ही वन क्षेत्र में पेड, झुडुप, बेल-लताएँ, नदी, नाले, जल स्रोत, देवी-देवताओं के स्थान, कहाँ कैसे है तथा उसके संरक्षण, संवर्धन, रखरखाव, पुनरुज्जीवित करना आदि मुद्दों पर सभा में चर्चा की गई। इस प्रक्रिया को आगे ले जाने के लिए तारिख निश्चित कर स्टॉक मॅपिंग कार्य करना, वन विभाग को पत्र देना तय हुआ। प्रत्यक्ष निश्चित तारीख को गाँव बैठक में गांव के युवक, पुरुष, महिलाएँ, बुजुर्ग-जानकार के साथ तकनीकी टीम ने वन क्षेत्र में जा कर अभ्यास-गणना, मोज-माप, कर उसकी नोंद की। नियोजन में तय किए मुताबिक 100मि. X 100मि. के चौरस गीन कर तय किए गये तथा उस भाग में स्थित सभी प्रजाती के पेड, वृक्षों को 15 सें. मी. घेर से कम तथा 15 सें.मी. घेर से अधिक ऐसे विभाजीत स्वरूप में गिनती कर नोंद की गई। इसके बाद, जंगल में

किन-किन प्रकार के झाड़ी, झुडुप, बाँस, घास, औषधी एवं अन्य वनस्पती, नदी-नाले, प्राणी, किटक, रेंगनेवाले जीव, पक्षी, प्राणियों की विष्टा, लोगों के श्रद्धास्थान, इन की नोंद की गई। साथ कहाँ-किस जगह पर कौन सा कार्य किया जा सकता है यह पूरा जंगल घूमते हुए तय कर नोंद की गई।

इस प्रक्रिया से प्राप्त जानकारी : वनखंड 692 के 154.31 हे.आर.क्षेत्र में कुल 154 चौकोन नक्शे के प्रमाण से तय किए गये। इनमें से पूरे जंगल की स्थिति समझने के लिए प्रतिनिधिक रूप में 06 चौकोन क्रमशः क्रमांक 01/31/61/91/121 तथा 151 चुने गये। प्रत्यक्ष देखने पर समझ आया कि, क्र. 91 तथा क्र. 121 के भाग पर अधिकतर क्षेत्र में लोग अतिक्रमण कर खेती जोत रहे हैं। अंदाजन 0.40 हे.क्षेत्र में जंगल है। इसी वनखंड क्र. 692 में आठनाडा गांव की बस्ती भी बसी हुई है साथ ही गावठाण तथा पट्टेधारकों की खेत जमीन भी इसी क्षेत्र में समाई है। गणना करने पर यह अंदाज आया कि, 80 से 85 हेक्टर का क्षेत्र ही सिर्फ गांव के सामूहिक वन संसाधन क्षेत्र में बचा हुआ है। इस शेष क्षेत्र में गिनती करने पर निम्न नोंद की गई।

- **पेड़/वृक्ष :** सागवान, आठना, हल्दू, बारू, महुआ, चारोली, अमलतास, धामनी, दुधारी, धावला, बोसाई, गुटी, केकडा, मोहिन, चेकरेज, टेमरू, कुंभी, बेल, लेंडया, आवला, साजड, जहा, तिवस, बेहडा, रोहिणी
- वनों में बांस की रांड़ी भी है।
- **बेल :** तोनान बेल, वासन वेल, कोलू, काचकोरी (खुतरू), शतावरी (भुई चिलाटी), चिलाटी, पिंजवेल, गुंजा, बायल (बाहेल), गोगडू.
- **वनौषधी के प्रकार :** भुमका जडी, सुईकु वेली, शतावरी, कोलू, बाहेल, पिंजवेल, मुसली रानतुलस, ओते पलसा, सिलीकू आटी, कोचोरा, कुम्भी.
- **घास :** पोहणार झारा, कुंदा, काऊस, सागा झारा, धुकणी झारा, गोफणी झारा, धागली झारा, तरोट.
- **झुडुप-झाड़ी :**
- **अन्य वनस्पती :** रान तुलस
- **प्राणी :** बंदर, सुअर, ससा, हरिण (हिरण) तूर (गिलहरी/खार)
- **रेंगनेवाले जीव :** गिरगिट (सरडा), सर्प (साप).

- **प्राणियों की विष्ठा :** रोही, हिरण, ससा, भालू (अस्वल), निल गाय, गाय, बैल, बकरी.
- **पक्षी :** तोता (पोपट) हरियल, लावा, तितर (होरे) निळकंठ, गरुड, सुतार पक्षी, चिवीच साथभाई (कोलाई), दाऊवीच बोरे सालो, झोरीयान कू, घुबड डुडा



स्टॉक मैपिंग :- सामुहिक वन अधिकार प्राप्त वनखंड क्र. 154.31 हे. के 100 मी. x 100 मी. चौकोन नकाशा के 2% नमूना क्षेत्र से चुने गये चौकोन क्षेत्र के वृक्षों की गणना																			
गांव:- आठनाडा		तालुका:- धारणी						गणना की तारीख 02 जाने 17 से 05 जाने 2017 पर्यंत											
अ.क्र	पेद पौधों के नाम	चौकोन क्र. 1		चौकोन क्र. 31		चौकोन क्र. 61		चौकोन क्र. 91		चौकोन क्र. 121		चौकोन क्र. 151		एकूण		Average			
		छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	छोटे	बड़े	समतली			
1	सागवान	39	95	41	68	12	73					77	138	169	374	135.75			
2	आठना	18	71	0	0	0	0					13	39	31	110	141	35.25		
3	हलदु	22	57	0	0	17	48					23	25	62	130	192	48		
4	बारु	17	63	0	0	14	46					18	35	49	144	193	48.25		
5	महुआ	4	15	0	0	0	0					11	45	15	60	75	18.75		
6	चांगोली	2	11	2	15	0	0					0	0	4	26	30	7.5		
7	अमरतास	22	61	0	7	3	23					0	0	25	91	116	29		
8	बागणी	16	52	0	0	0	0					0	0	16	52	68	17		
9	घुटी	0	37	0	0	0	0					0	0	0	37	37	9.25		
10	दुबारी	11	37	29	40	0	43					0	0	40	120	160	40		
11	बोसाई	8	32	0	0	0	0					0	0	8	32	40	10		
12	बापका	20	10	12	24	24	33					0	0	56	67	123	30.75		
13	चेकरेज	0	0	13	57	22	34					28	57	63	148	211	52.75		
14	तिथाल	0	0	8	36	0	0					0	0	8	36	44	11		
15	टेमल(तेंदु)	0	0	18	28	4	20					19	43	41	91	132	33		
16	कुन्नी	0	0	11	17	0	0					0	0	11	17	28	7		
17	मोहा	0	0	4	30	0	0					23	55	27	85	112	28		
18	बेहका	0	0	0	7	0	0					0	0	0	7	7	1.75		
19	पन्नास	0	0	2	17	0	0					0	0	2	17	19	4.75		
20	आपका	0	0	0	0	8	10					0	0	8	10	18	4.5		
21	कुन्नी	0	0	0	0	0	27					8	24	8	51	59	14.75		
22	लेवया	0	0	0	0	19	53					0	0	19	53	72	18		
23	साजका	0	0	0	0	22	40					0	0	22	40	62	15.5		
24	जहा	0	0	0	0	10	15					0	0	10	15	25	6.25		
25	केकदा	0	0	0	0	0	0					20	5	20	5	25	6.25		
26	बेला	0	0	0	0	0	0					13	14	13	14	27	6.75		
		179	541	140	346	155	465					253	480	727	1832	2559	639.75		

पट्टे खेती-अतिक्रमण खेती और गांव

ग्रामसभा गांव : आठनाडा ता. धारणी
वनखंड क्र. 692

GPS रीडिंग

अक्षांश :

रेखांश :

1)N021° 36.424
E077° 02.128

N021° 36.449
E077° 02.081

प्लॉट नं. 1

N021° 36.461
E077° 02.171

N021° 36.515
E077° 02.138

2)N021° 36.522
E077° 01.996

N021° 36.512
E077° 01.936

प्लॉट नं.31

N021° 36.570
E077° 02.018

N021° 36.564
E077° 01.929

3)N021° 36.654
E077° 01.764

N021° 36.612
E077° 01.819

प्लॉट नं.61

N021° 36.601
E077° 01.773

N021° 36.623
E077° 02.838

4)N021⁰ 36.424
E077⁰ 02.128

N021⁰ 36.449
E077⁰ 02.081

प्लॉट नं.91 अतिक्रमण
शेती

N021⁰ 36.424
E077⁰ 02.128

N021⁰ 36.449
E077⁰ 02.081

5)N021⁰ 36.424
E077⁰ 02.128

N021⁰ 36.449
E077⁰ 02.081

प्लॉट नं.121 शेती,गांव

N021⁰ 36.424
E077⁰ 02.128

N021⁰ 36.449
E077⁰ 02.081

6)N021⁰ 37.365
E077⁰ 02.032

N021⁰ 36.368
E077⁰ 02.086

प्लॉट नं.151

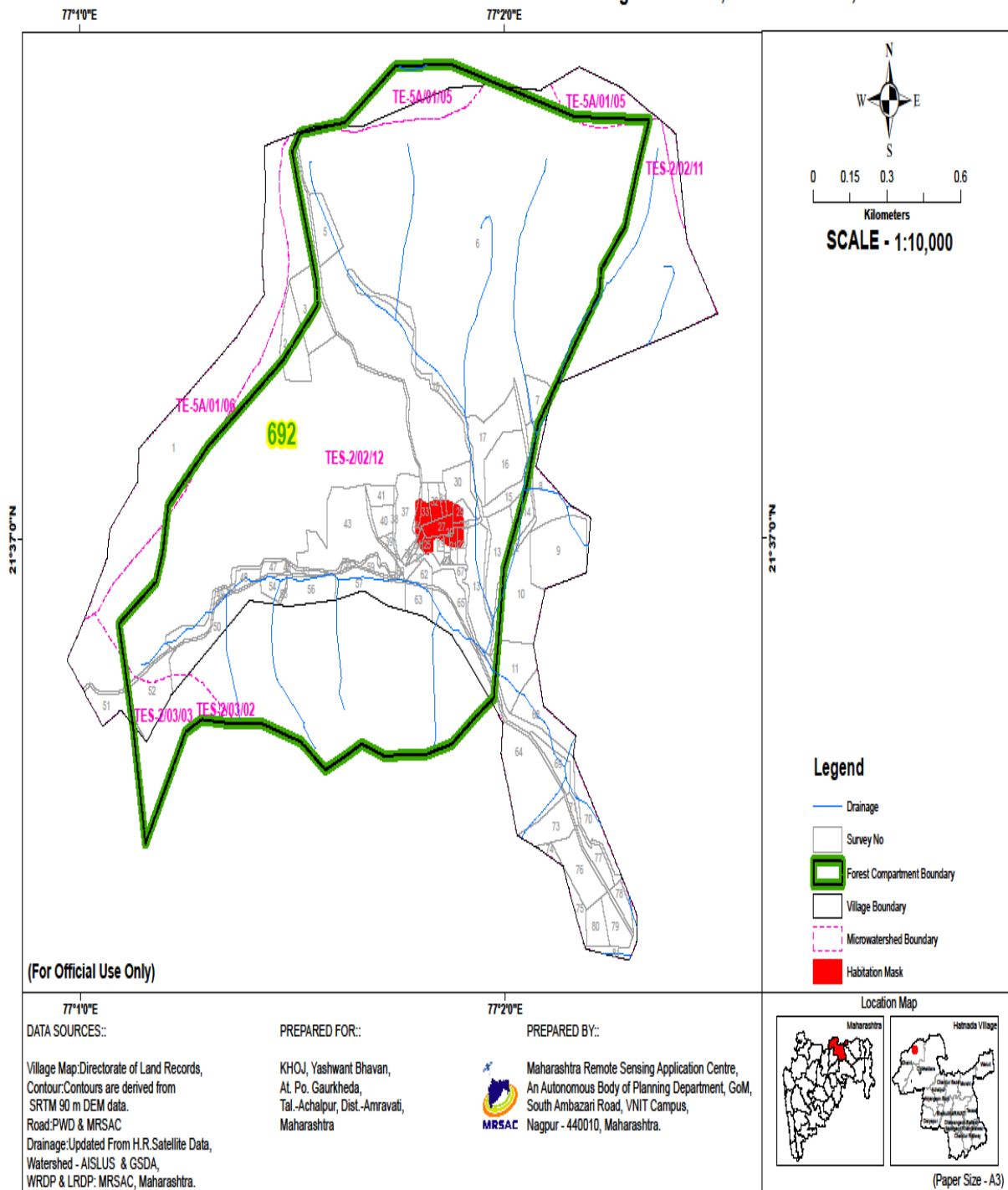
N021⁰ 37.313
E077⁰ 02.030

N021⁰ 37.314
E077⁰ 02.088

ग्रामसभा आठनाडा गाव को सामूहिक अधिकार में मंजूर क्षेत्र कम्पार्टमेन्ट नंबर 692 का क्षेत्र 154.31 हे. आर. जंगल गाव को वन अधिकार कानून के अंतर्गत मिला है। यह उंचे-निचे, चढ-ढलान का पर्वतीय क्षेत्र है। यहा की जमीन मिट्टी, कंकर-पथरिली, लाल-भुरे रंग की निचले स्तर पर थोडी काले रंग की भी है। उपग्रह से प्राप्त नकाशे-चित्र के माध्यम से हम यहा के जलग्रहण क्षेत्र, भूस्तर संरचना, वनसंपत्ती आदी को आगे देख सकते है।

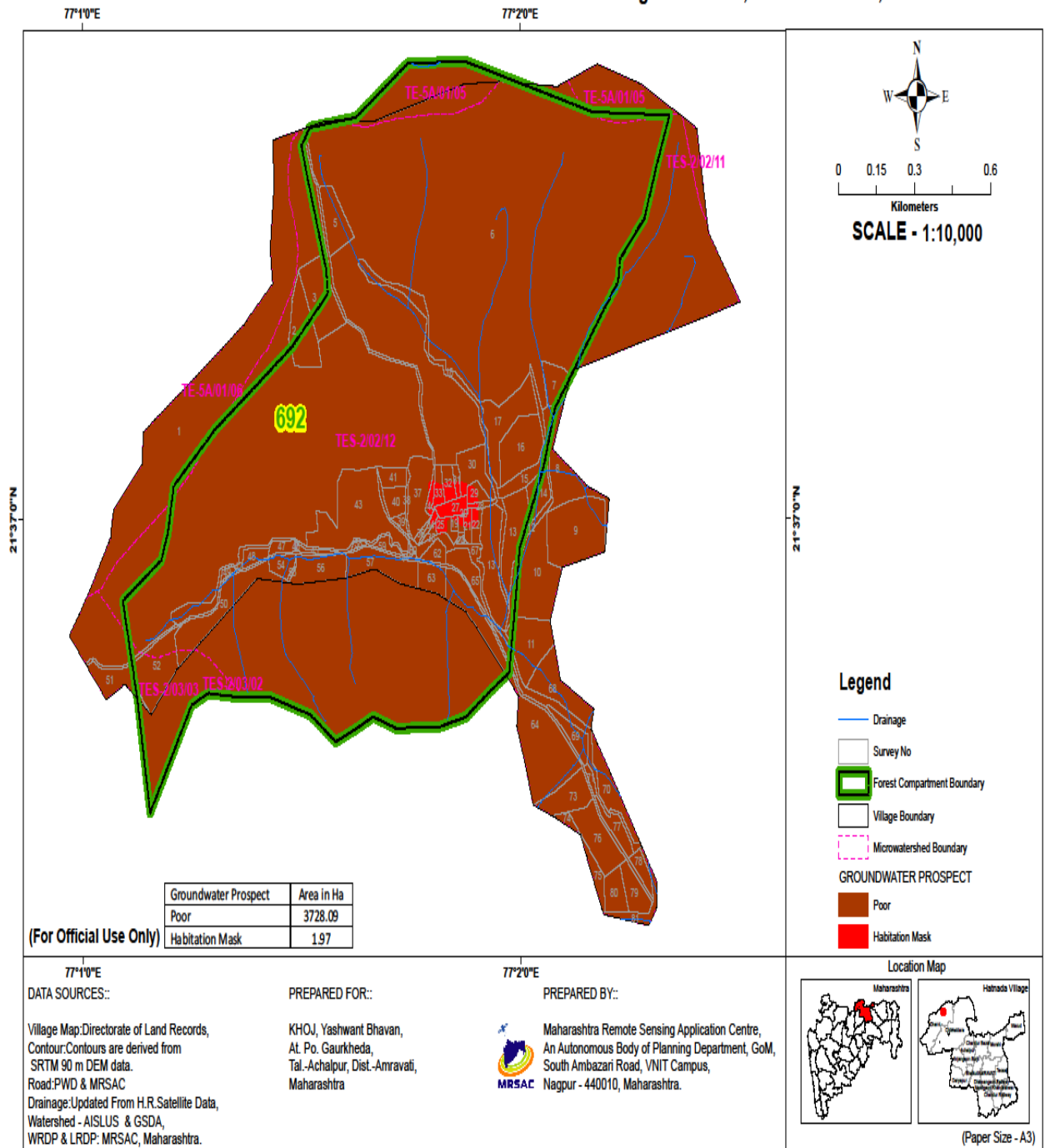
BASE MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



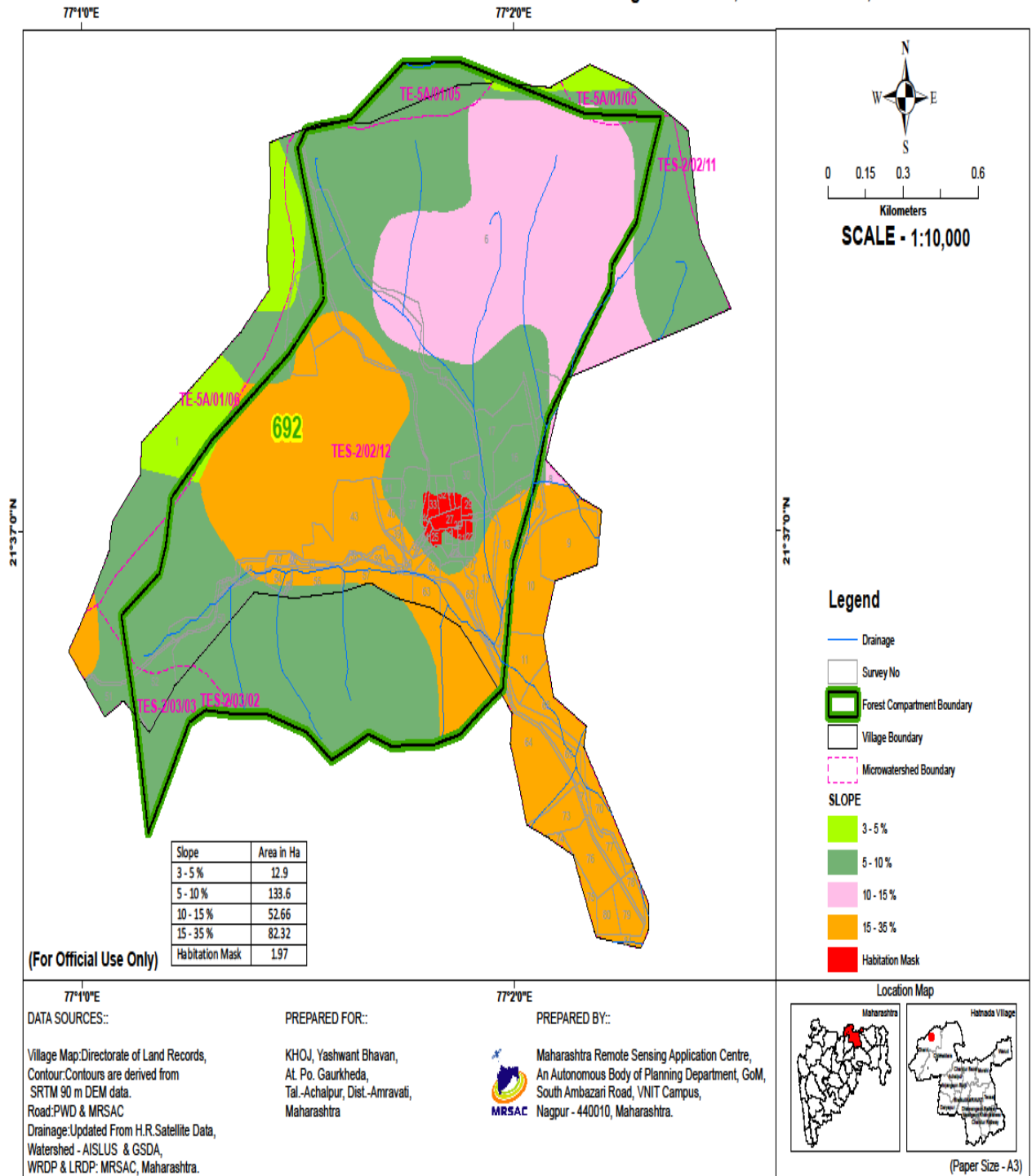
GROUNDWATER PROSPECT MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



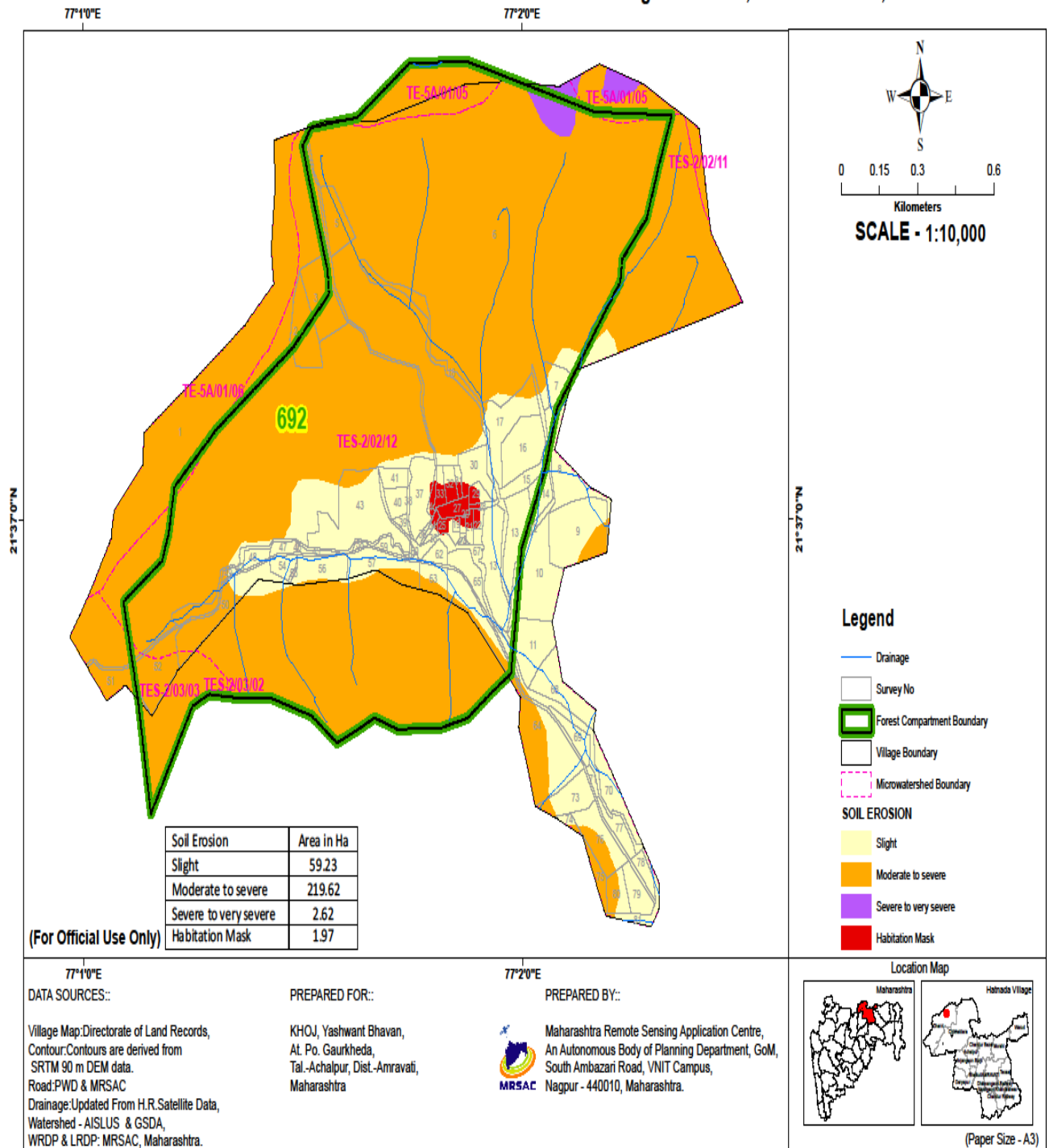
SLOPE MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



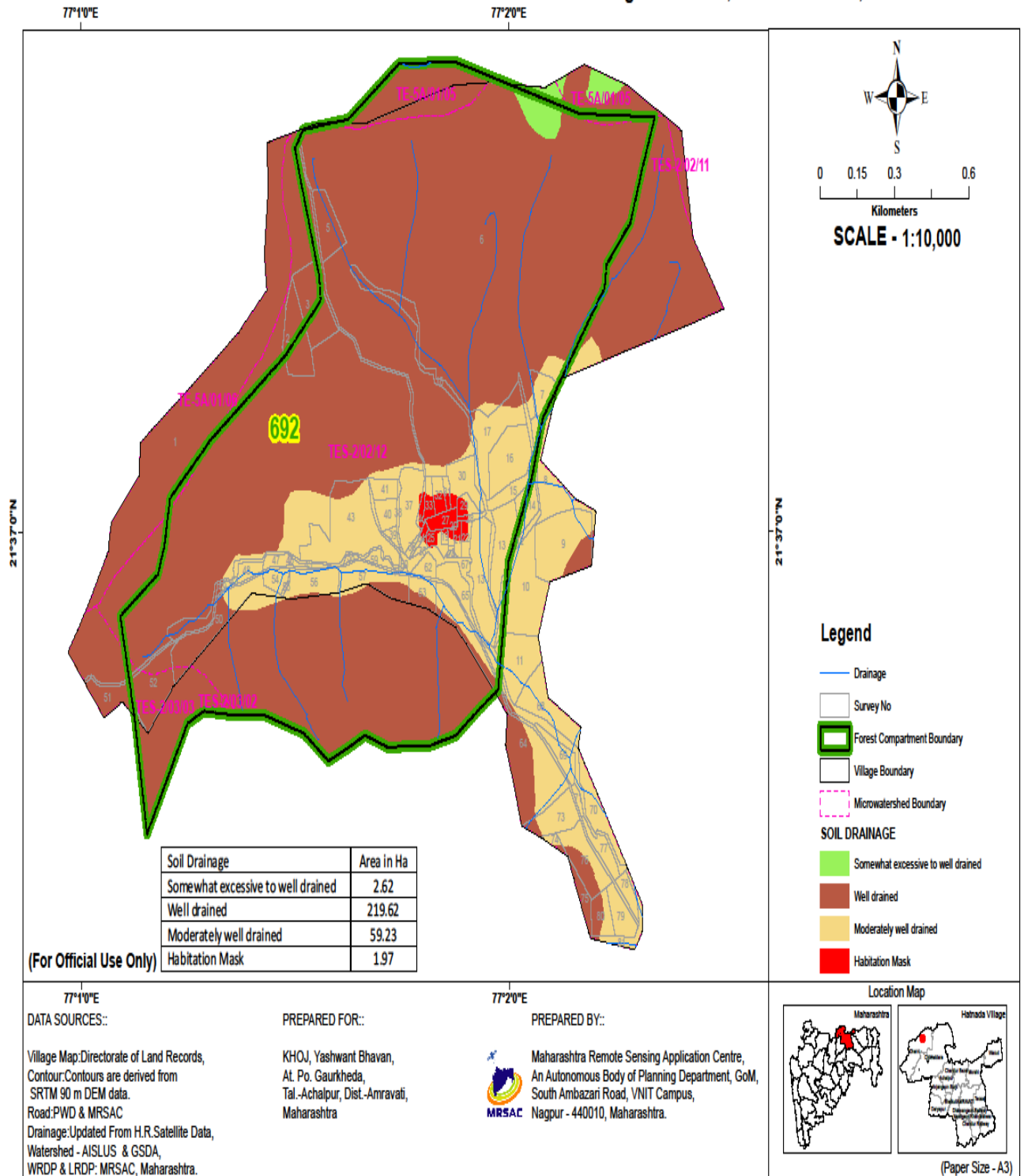
SOIL EROSION MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



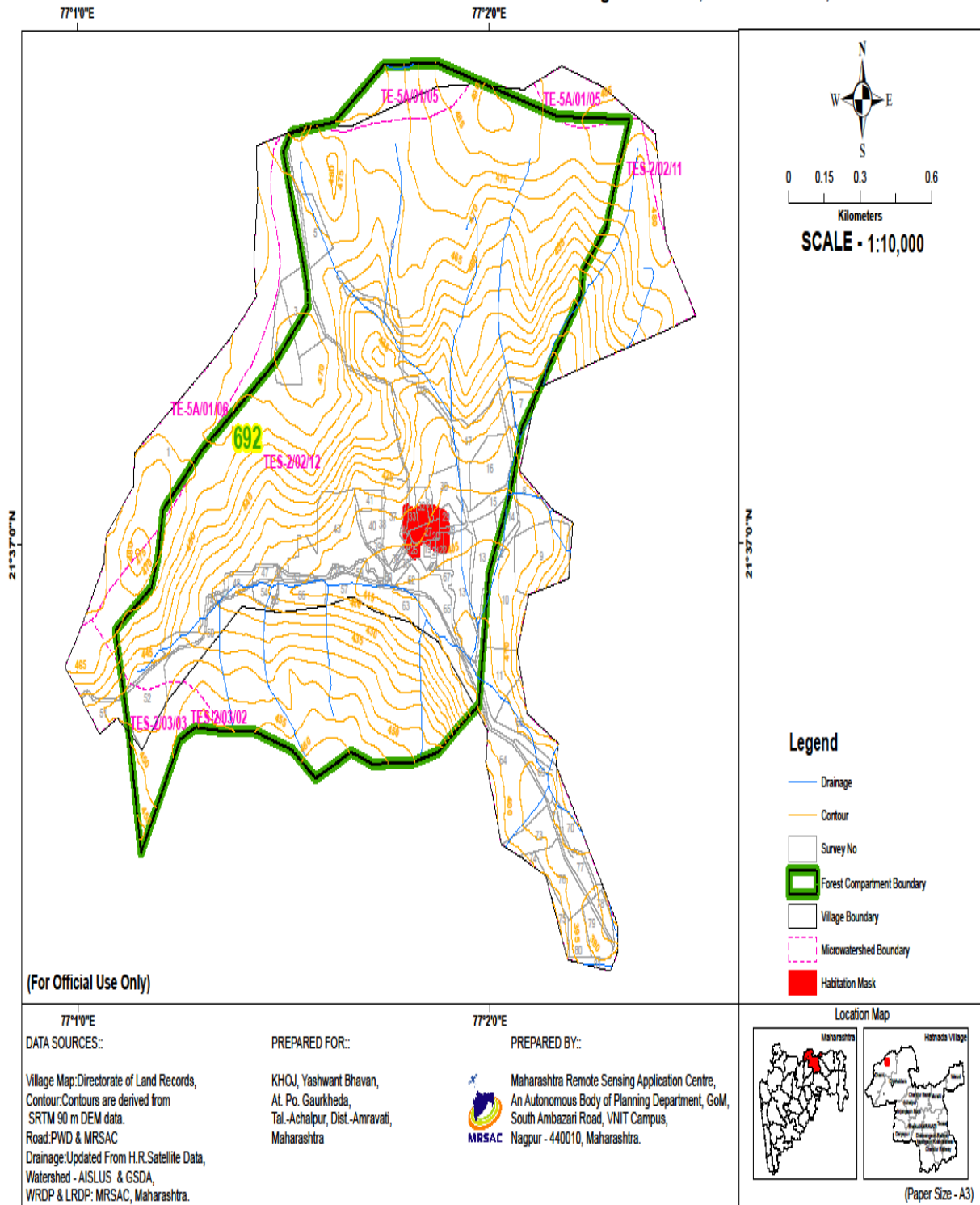
SOIL DRAINAGE MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



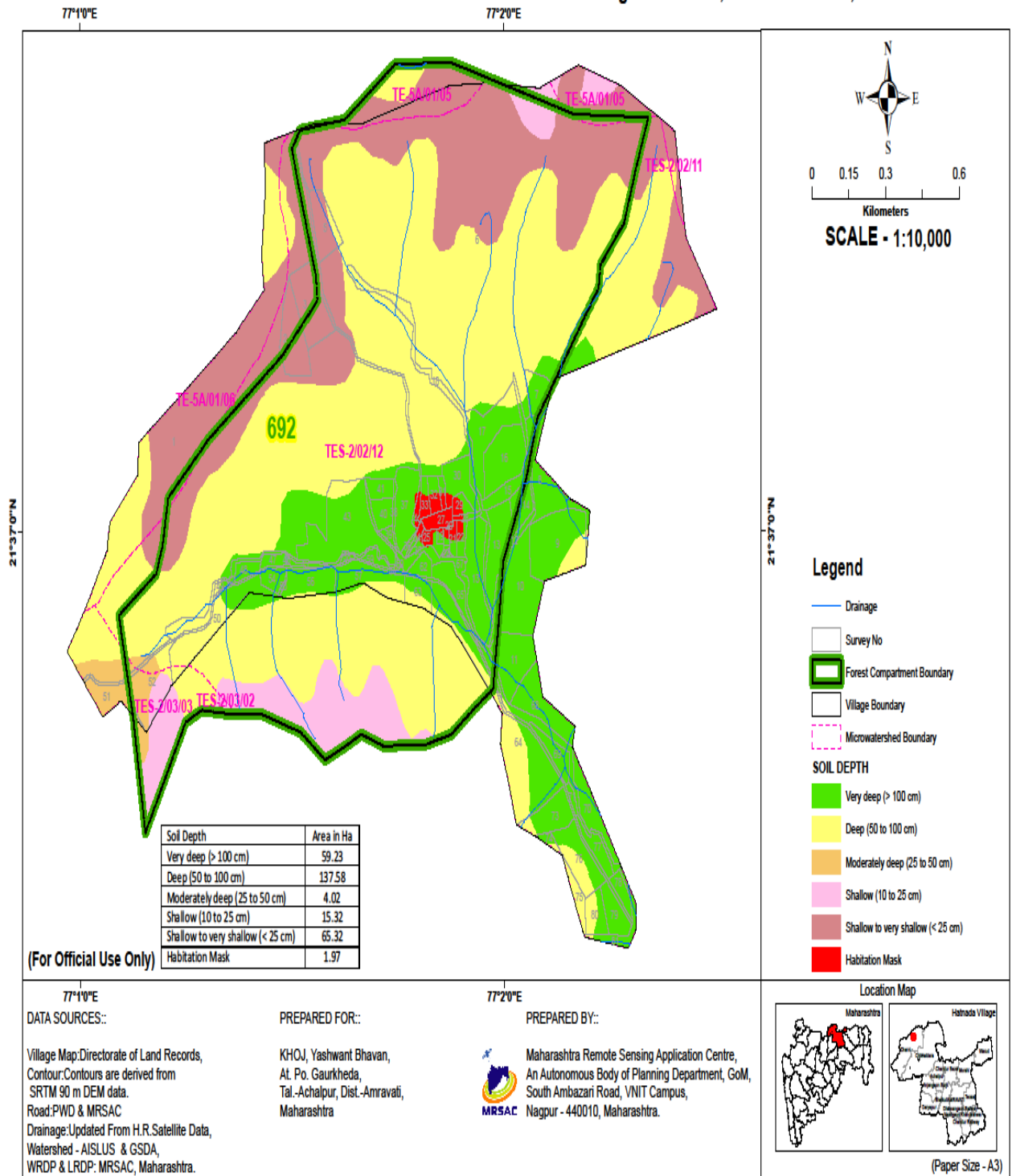
CONTOUR MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



SOIL DEPTH MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati

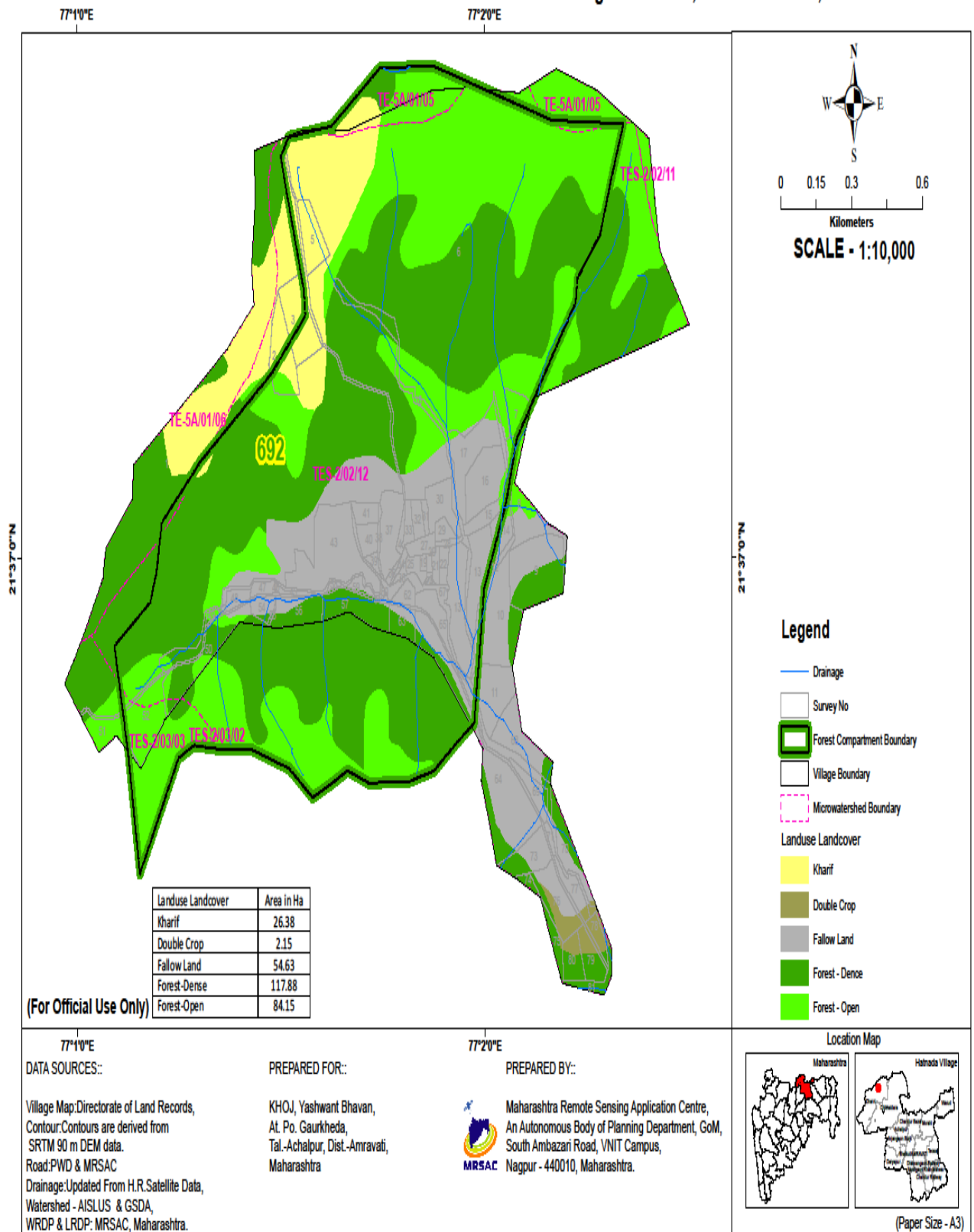


Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



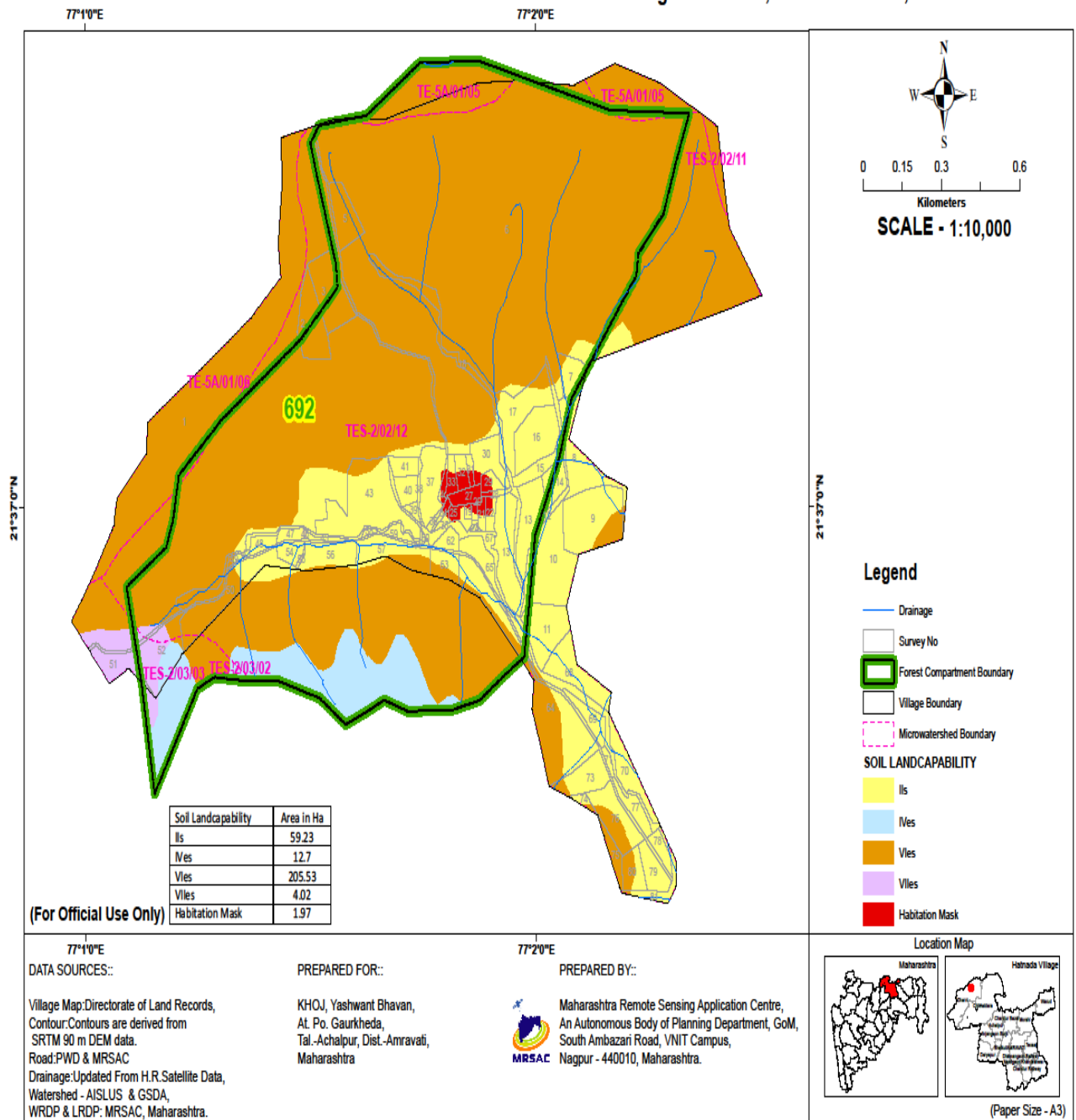
LANDUSE LANDCOVER MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



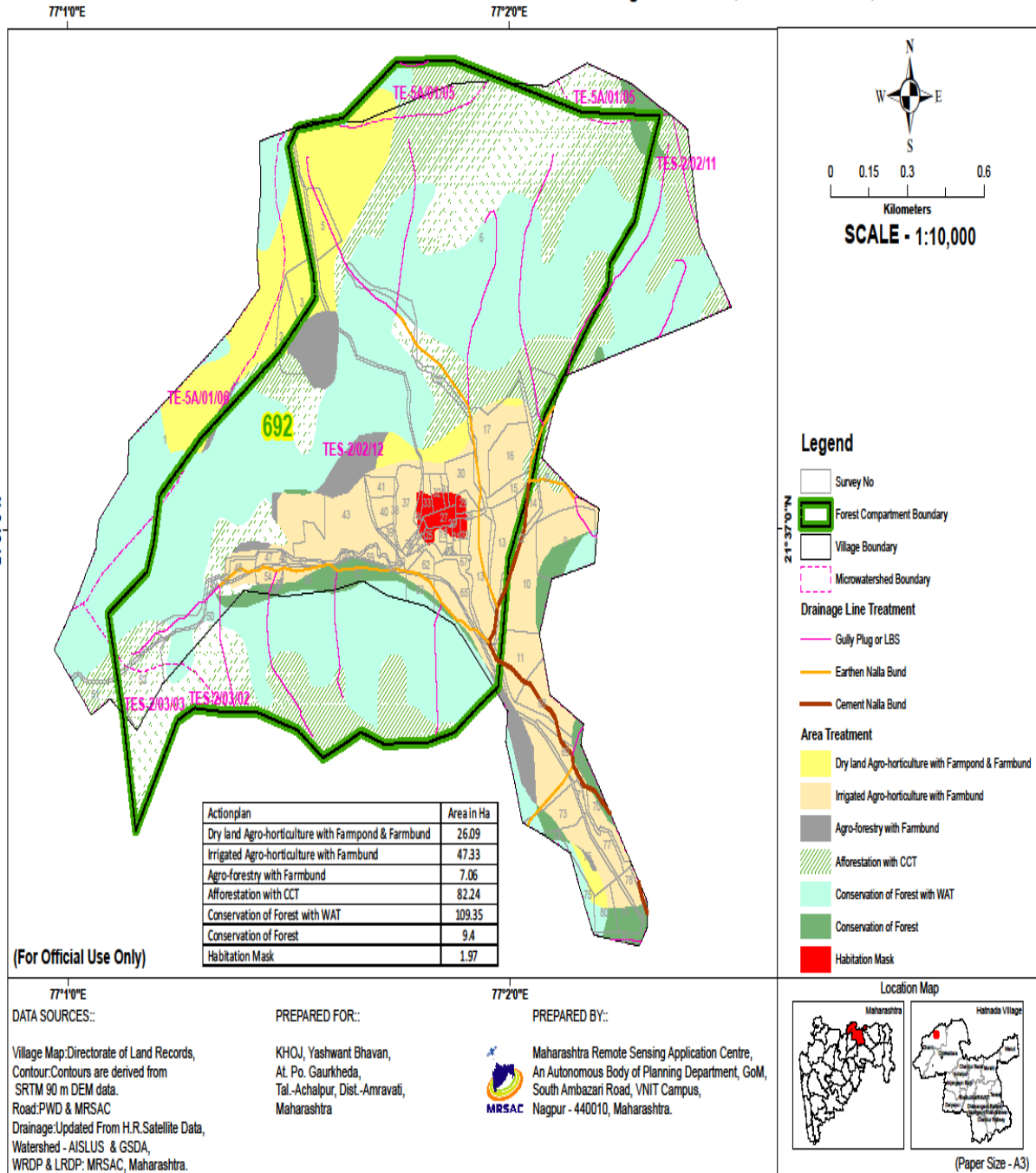
SOIL LANDCAPABILITY MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



ACTIONPLAN MAP

Village - Hatnada, Taluka - Dharni, District - Amravati



जल, जंगल, भू-संरचना की स्थिति : गांव के क्षेत्र देखकर तथा नक्शे के आधार से नजर आता है, यहाँ का वन क्षेत्र अधिकांश पहाड़ी, टेकड़ीयों का मध्यम-तिव्र उतार वाला है। जहाँ वर्षा ऋतु का पानी ज्यादा बारीश होने पर भी जल प्रवाह, नाले, नदी से बह जाता है।

मिट्टी का स्वरूप : लाल-भूरे, मुरुमाड-मिट्टी का स्वरूप है जो, पथरिला तथा बालूयुक्त है। निचले ढलान भाग में काली मिट्टी का भी क्षेत्र है। जहाँ खेती की जाती है।

मौसम : यहाँ मुख्यतः तीन ऋतु है, उष्ण-कटिबंधीय क्षेत्र होने से यहाँ वर्षा बेहतर होती है, नवम्बर से फरवरी तक शित का मौसम अच्छा ठंडा होता है जो वन-वन्यप्राणी तथा मानव एवं खेती उत्पाद के लिए अनुकूल होता है। मार्च से जून का गरमी का मौसम तेज-धूप का साथ ही पतझड़ के बाद उजाड़ से नजर आने वाले जंगल में पानी के अभाव का होता है। इस मौसम में वनों में आग लगने का खतरा होता है तथा क्षेत्र के कुछेक गांव भी आग से जल जाने का इतिहास है। वन-रोपवनों को पानी के अभाव में बचा पाना थोड़ा कठीनाई पूर्ण है। वन्य-पशु-पक्षी भी पानी की जरूरत से परेशान भटकते हैं तथा गांव के नजदिक भी आ जाते हैं।

वन : यहाँ सागवान का रोपवन पिछले 50 वर्ष में दो-तीन चक्र में किया गया तथा सरकारी वन विभाग द्वारा जंगल कटाई-बांस कटाई भी जारी रही। जैसा की गांव की जानकारी तथा वन निरीक्षण से नजर आता है, स्थानिक मिश्र प्रजाती के पेड़-वृक्ष-पौधे आज भी यहाँ काफी प्रमाण में मौजूद हैं। जिन्हे बढ़ाया, जतन किया जा सकता है। इसके लिए पानी के प्रबंधन कार्य की आवश्यकता है। इन वन संपत्ती के आधार पर गौण वनोपज का उत्पाद, प्रक्रिया-उद्योग, विक्रय कर आजीविका सुनिश्चित करने में मदद हो सकेगी।

जल संसाधन : जलाशय, नए तालाब, कोल्हापूरी बांध जैसे कार्य द्वारा जल संचय करने से वनों को बचाना, रोपवाटीका लगाना, कृषी सिंचाई, भूमि का जलस्तर बढ़ाना, तथा मत्स्यपालन कार्य किए जा सकेंगे।

वन संसाधनों का इस्तेमाल वर्तमान जरूरतें

- 1) जलतन की लिए लकड़ीयाँ।
- 2) चराई क्षेत्र की जरूरतें।
- 3) घरगुती वापर के लिए लकड़ीफाटा।
- 4) खेती औजार के लिए लकड़ी।
- 5) चारोली, मोहा फुल, टोली।(गौण वनोपज)
- 6) शहद जमा करना/गोंद गोला करना।
- 7) मछली पकड़ना/खेकड़े, झिंगा।
- 8) देवी-देवताओं के स्थान के नोंद करना।
- 9) नदी, नाले, डोबरा, इन जगह पर पाणलोट क्षेत्र विकास/उपयोगी काम करना।

- गांववासीयों द्वारा सामुहिक वनहक्क क्षेत्रके बाहेर का भाग इस्तेमाल करते हैं।

- 1) स्मशान भुमी/दफन भुमी।
- 2) तेंदु पत्ता गोला करना।
- 3) मोहा फुल गोला करना।
- 4) गोंद गोला करना/मछली पकड़ने, खेकड़े ई।
- 5) चराई।
- 6) जलतन के लिए लकड़ीयाँ गोला करना।
- 7) पुजा स्थान
- 8) गौरी (कंडे/उपलीयाँ) जमा करना।

- सामुहिक वन हक्क जंगल के सबसे बड़े धोका निपटारा कैसे टालेंगे ?

- 1) जंगल को आग से बचाना।
- 2) जंगल को कटाई से बचाना।
- 3) ग्रामसेवक के माध्यम से बाजु के गाव को ग्रामपंचायत को नोटीस द्वारा चराई/जंगलतोड़/शिकार बंदी इन मुद्दों को रोकने के लिए जानकारी देना।
- 4) ग्रामसभा की नियमावली बनाना।
- 5) जंगल के रक्षण/व्यवस्था/देखभाल।
- 6) खुला क्षेत्र/बंदी क्षेत्र के विषयपर चर्चा करके उस पर निर्णय लेना।

- अन्य गांव के कुछ लोग सामुहिक वनहक्क जंगल के बाहेर के जंगल का इस्तेमाल करते है।
 - 1) घरगुती वापर के लिए बांस कटाई।
 - 2) शिकार के लिये।
 - 3) चोरी छूपके लकड़ी बेचने वाले।
- सामुहिक वन हक्क जंगल के रक्षण/अपने, आप पनप रहे रोप पौधों का व्यवस्थापन मे आने वाले खतरो को कम कैसे करेगे। अथवा इन पर क्या उपाय कर सकते ?
 - 1) ग्रामसभा मे जंगल के नियंत्रण देखरेख के विषयपर चर्चा करके नियमावली बनाना।
 - 2) आग नियंत्रण/चराई, कटाई बंदी, शिकार बंदी इन के लिए ग्रामसभा मे नियमावली बनाना। और नियम का पालन करना।
 - 3) नियमों के पालन नही करने पर संबंधित विभागो के मार्फत उचित कारवाई करना।
 - 4) ग्रामसभा के हर सदस्य को जंगल की जबाबदारी लेना जरूरी है।
 - 5) मिट्टी और पानी रोकने का काम करना।
 - 6) जानवरों के लिये चारा के प्रबंध करना।
 - 7) C.C.T, वॉट दगडी बांध वनतलाव, इन कामो को प्राथमिकता देना।
- ग्रामसभा स्वयं इच्छा से नये काम, वृक्ष लगाना, पुनरुज्जीवित और रक्षण करने का नया उपक्रम।
 - 1) चारा निर्मिती करना।
 - 2) जंगल को आग से बचाना।
 - 3) अपने आप निकले हुआ झाड़, रोपों का व्यवस्थापन, देखरेख करना।
 - 4) मिश्र प्रजातिके रोप लगाना।
 - 5) शिकार बंदी, कु-हाड बंदी चराई बंदी करना।
 - 6) मिट्टी और पानी रोकने का काम करना।
 - 7) वन संपत्ती, नए रोपवन, बास प्लॅन्टेशन साथ ही, खेती की फसलो का नुकसान करने वाले वन्य प्राणि विशेषकर जंगली सुअर का बन्दोबस्त कर संरक्षण के उपाय करना।

प्रबंधन के निर्धारित लक्ष्य

- i) वन अधिकार कानून के नियम 5 में दर्शायेनुसार कर्तव्यों का निर्वाह करना।
- ii) मृदा एवं जलसंधारण क्षेत्र विकास कार्य पद्धती के अनुसार सामुहिक वन अधिकार के निर्दिष्ट वन क्षेत्र में मिट्टी एवं जल धारण क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करना।
- iii) जहाँ पर भी संभव हो, वनीकरण तथा वनों के पुनःनिर्माण कार्य शुरू करना जो वनों की गुणवत्ता तथा आजीवीका को प्रभावित करने वाली उन्नती की दिशा में हो।
- iv) क्षेत्र में नैसर्गिक पुर्ननिर्माण के कार्य चलाना, जो अच्छी नैसर्गिक बढत दिखा सके।
- v) लघु वनोपजों के, परिणामकारक संरक्षण, पुनरुनिर्माण एवं प्रबंधन तथा निरंतर उत्पाद मिलने वाले कार्यों को सुनिश्चित करें।
- vi) लोगों के चिरंतन रूप से आजीवीका के साधन इस्तेमाल करते हुए वन संसाधनों का दिर्घ कालीन रूप से संवर्धन कार्य भी बढते रहे यह सुनिश्चित करना।
- vii) यह भी सुनिश्चित करना की गांव में रहने वालों को आजीवीका के स्रोतो का पूरे साल भर उपयुक्त उपलब्धता रहे।
- viii) वनो को आग, अतिचराई, तथा चोरीसे सुरक्षित रखना।
- ix) लोग-वन-वन्यजीव के सह अस्तित्व के तत्वों को पुनःस्थापित करना।
- x) सामुदाय वन प्रबंधन के नियम एवं तत्वों को संस्थान में ढालना।

वन - नियोजन की दिशा

वन संरक्षण : सामूहिक वन अधिकार प्राप्त वन क्षेत्र के संरक्षण की दृष्टी से ग्रामसभा अपने वनों को आग से बचाना, अवैध रूप से चराई एवं वनसंपत्ती की चोरी ना हो इस बाबद उपाययोजना करेगी। इसी तरह बाहरी तस्कर-शिकारीयों से वन-वन्यजीव की सुरक्षा के उपाय गांव समुदाय के नियोजन से करेगी। जहाँ आवश्यकता हो, सरकारी विभाग, वन, वन्यजीव, पुलिस की मदद ली जाएगी।

मुख्य वनोपज का प्रबंधन : मेलघाट क्षेत्र का मुख्य वनोपज सागवान है। ग्राम समुदाय को अपने खेती कार्य के औजार-साधन बनाना, निवास घर, मवेशी के लिए कोठा, घर दुरुस्ती आदि कार्य के लिए मुख्य रूप से सागवान की जरूरत होती है। इसके विकल्प के रूप में लोगों ने स्वयं अथवा सरकारी योजना से लोहे की साधन-सामुग्री का उपयोग शुरू किया है, साथ ही आगे वनों की वृद्धी-संरक्षण की दृष्टी से इन्ही तथा अन्य विकल्प साधन उपयोग में लाने के लिए प्रवृत्त किया जाएगा। तथा मुख्य वनोपज का उत्पाद, इस्तेमाल, संकलन तथा व्यवस्थापन/प्रबंधन की व्यवस्था वैज्ञानिक पर्यावरणपूरक दृष्टी से संबंधित विशेषज्ञ एवं सरकार, वन-विभाग के साथ मिलकर ग्रामसभा समय-समय पर सुनिश्चित करेगी।

जैव-विविधता : गांव की ग्रामसभा अपने वन अधिकार क्षेत्र के सभी प्रकार के वन, वन्यजीव, साधन-संपत्ती, प्रजातीयों का जैव विविधता अध्ययन तथा दस्तावेजीकरण, विशेषज्ञ टीम के साथ करेगी। इस जैव विविधता रजीस्टर के अनुसार भविष्य के साधन-संपत्ती जतन एवं संवर्धन की दिशा-कार्य तय किए जाएँगे।

इंधन : ग्राम समुदाय की इंधन की जरूरत जंगल से लकड़ीयाँ इकट्ठा कर मुख्य रूप से की जाती है। कुछ प्रमाण में लोग रसोई गॅस (L.P.G) का इस्तेमाल कर रहे है। आगे सरकारी योजना से इस विकल्प को बढ़ावा दे कर वनों का भार कम किया जाएगा। वनों में सूखे-टूटे वृक्ष पेड़ों की टहनीयाँ, खराब-टेढ़े-मेढ़े एवं बीमार

वृक्षों को वनों की सफाई में निकाला जाएगा तथा ग्राम समुदाय को इसका वितरण ग्रामसभा के ठराव नियोजन अनुसार किया जाएगा।

चारे का प्रबंधन : गांव समुदाय के पालतु पशुओं की जरूरत तथा दुग्ध उत्पादन विकास कार्यक्रम के अनुरूप वन क्षेत्र में चारा वृद्धि, नए उन्नत किस्म की घास का प्लॉन्टेशन किया जाएगा। इसके लिए उपयुक्त वनक्षेत्र के भाग का चयन कर वहाँ चराई बंदी कर उत्पाद लिए घास-चारे का वितरण वाटप ग्रामसभा निश्चित करेगी। साथ ही चराई हेतु खुला क्षेत्र भी निर्धारित कर नियोजित चराई करना तय किया जाएगा।

बांस का उत्पादन : ग्रामसभा अपने नियोजित क्षेत्र में बांस के रोपवन लगाने-बढ़ाने तथा उसके उपचार कार्य योग्य मार्गदर्शन से करेगी तथा समय अनुसार उसका संकलन, लोगों की जरूरत अनुसार वितरण, विक्रय का कार्यक्रम बनाएगी तथा संचालित करेगी।

लघु-वनोपज : गांव के सामुहिक वन अधिकार क्षेत्र के लघु-वनोपज का प्रबंधन, जिसमें नए मिश्र-प्रजाती के रोपवन लगाना, उनका संरक्षण एवं संवर्धन, उत्पाद संकलन तथा उसका इस्तेमाल एवं विक्रय ग्राम समुदाय की जरूरतों के अनुसार ग्रामसभा चर्चा कर निश्चित करेगी तथा नियोजन अनुसार प्रबंधन किया जाएगा।

संसाधन - आरेखन की पद्धति

प्रबंधन नियोजन का साहस पूर्ण कदम उठाने से पूर्व क्षेत्र के वन संसाधनों की वर्तमान स्थिती उपलब्धता, अस्तित्व तथा अंतर (फर्क) एवं जरूरतों की समझ बनाना जरूरी था। वन संसाधनों की गिनती - यादी बनाने की प्रक्रीया चलाने हेतु निम्न तरीके चलाये गये :

- * समूहिक वन - अधिकार के क्षेत्र का सीमांकन स्थानिय वन - अधिकारीयों की सहायता से सुनिश्चित किया गया।
- * ग्राफ पेपर पर क्षेत्र का मानचित्र प्रति 1 हेक्टेअर के विभाजीत स्वरूप में दर्शाये जाने के रूप में रेखांकित किया।
- * 2 % नमुने की पहचान का सुनिश्चितीकरण सुनियोजीत नमुनाकरण एवं चतुर्थास क्षेत्र के आधार पर तय किया जिससे पूरा क्षेत्र गणन प्रक्रीया में शामिल किया जा सकें। यह चतुर्थास क्षेत्र के जमीन पर रेखांकित कर गिनती की प्रक्रीया पूरी की गई।



- * जी.पी.एस. द्वारा निर्धारित चतुर्थास क्षेत्र की सीमाओं को तात्कालिक रूप से पत्थर आदि रखकर चिन्हीत किया जिससे चारों चतुर्थास क्षेत्र का

सिमांकन आसान हो। प्रत्येक पेड को रंगो द्वारा चिन्हीत किया गया ताकी गणना में उसे दोबारा न गिना जाए। इस प्रक्रीया में ग्राम सभा द्वारा तय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

प्रबंधन नियोजन प्रक्रिया

सामूहिक वन अधिकार क्षेत्रों का प्रबंधन नियोजन वन अधिकार कानून के तहत ग्रामसभाओं को करना है। देश में अधिकार प्राप्त करने के बाद कुछ ग्रामसभायें इस जिम्मेदारी को निभाने में अग्रसर हो रही हैं। बहुत लंबे समयतक वनों के प्रबंधन में समुदायों की कोई भूमिका नहीं रही। अनुसूचित क्षेत्र विस्तार कानून (पेसा) तो था परंतु राज्य में नियमों के नहीं होने से जो अधिकारों के लिये जुट पाये, उन्हीं तक यह सीमित रह गये। सामूहिक वन अधिकारों की मान्यता के पश्चात वन प्रबंधन में समूहों की सहभागिता का परंपरागत इतिहास पुनर्जीवित करने का प्रयत्न अब अधिक सुलझे और सुस्पष्ट नियम एवं तत्व होने के कारण मुमकिन हो रहा है। निम्न दर्शाये पद्धतीसे प्रबंधन नियोजन की यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी ग्रामसभा के साथ परिचर्चा तथा अनुबंध के आधार पर नियोजन तयार करने का कार्य स्थानिय संघटनाओं के सहायता से किया जाएगा।

- गांव से 4 (1)(ई) के तहत बनी समिती सदस्यों का क्षमता वर्धन किया जाएगा।
- सामूहिक वन अधिकारों की मान्यता प्राप्त अन्य इलाको में उनके प्रयत्नों एवं सीख को समझाने के लिये अभ्यास/मुलाकातों का नियोजन।
- गांव से संबंधित नक्शो एवं दस्तावेजो का संकलन।
- सीमाओं का चिन्हीत सुनिश्चितीकरण।
- 0 - 2 % नमुना क्षेत्र के साधनों का अनुसूचिकरण।
- SMCकार्य आयोजना हेतू सर्वेक्षण एवं नियोजन तयार करना।
- स्थानिय जैव विविधता सूचिबद्ध करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाना।
- लिखीत-प्रबंधन नियोजन प्रस्ताव दस्तावेज तयार करना।
- ग्रामसभा के साथ उनकी प्रतिक्रिया सुझाव जानने हेतू जानकारी चर्चा साझा करना।
- मुख्य वन संरक्षक, परियोजना अधिकारी (ए.आ.वि.प्र.) अतिरिक्त आदिवासी आयुक्त, मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिलाधिकारी के साथ-सभी शासकियविभाग की योजनाओं का एककेंद्री कार्यक्रम बनने हेतू चर्चा कर अंतिम नियोजन करना।

भविष्य का प्रबंधन एवं सुझाव (वन, कृषी, समुदाय)

ग्रामसभा आठनाडा

आज दि. 03/08/2017 रोज गुरुवार शाम 06:00 बजे श्री. सुखराम मौजी बैठेकर इन की अध्यक्षता में आठनाडा गाव की ग्राम सभा ली गई। सभा में सभी गाववासीयों द्वारा चर्चा-विचार कर भविष्य में किए जाने वाले वन-खेती एवं गाव की जरूरत के अनुसार संरक्षण, संवर्धन, पुनरुज्जीवन, सुधारणा, विकास बाबद नियोजन कृतिकार्यक्रम निचे अनुसार सुझाए गये।

• जंगल, वन सम्पती, जल स्रोत के कार्य :

1) पत्थर के बांध/जाली पत्थर के बाँध : गांव के आस-पास, वन क्षेत्र में प्रवाहित जल प्रवाहों पर योग्य स्थान चुन कर पत्थर बाँध तथा पत्थर जाली के बाँध बनाना।

2) बनतालाब/खेत तालाब : वर्षा का पानी कुछ अधिक समय रुक सके तथा भू-गर्भ जल का स्तर बढ़ाने के लिए, उपयुक्त स्थानों पर वन क्षेत्र में तथा कास्तकारों के खेतों में वन तालाब तथा खेत तालाब बनाए जाए।

3) जल संवर्धन के कार्य : जमीन का भू-जल स्तर बढ़ाना, रोपवनों को बढ़ने हेतु पोषक, आर्द्रता जमीन में अधिक समय कायम रहने की दृष्टी से जमीन के उतार भागों में नियोजन कर सी.सी.टी/डी.सी.टी/वॅट आदी के कार्य करना तथा उसके किनारों पर केतकी (घायपात) का रोपन करना।

4) वन क्षेत्र में वन्य जीव के लिए पानी की सुविधा : जंगली पशु-पक्षी प्राणियों को पानी की उपलब्धता हो इसलिए पाणवटे (वन तालाब) बनाना।

5) सिमेंट बाँध / मिट्टी के बाँध : पानी की सभी प्रकार की जरूरतें पूरी हो सकें तथा मछली पालन आदि कार्य कर सकने की दृष्टीसे जल स्रोत, नदी-नालों पर उपयुक्त स्थानों का चयन कर मिट्टी के बाँध एवं, सिमेंट के बाँध बनाना। चुने गए स्थान : 1) चाचरी पाठ- (2सिमेंट बांध), 2)खिलीगाडा- (2 सिमेंट बांध), 3) अहिरदेव- (1सिमेंट बेग)

6) बोअर वेल/सोलर पम्प : नियोजन के अनुसार नए लगाए गये पौधे-रोप के जतन बचाव हेतू पानी-सिंचाई तथा रोपवाटीका विकसित करने हेतू जरूरी पानी की उपलब्धता हेतू वनक्षेत्र में आवश्यक स्थान पर बोअरवेल तथा सौर उर्जा संचालित पम्प लगाना।

7) रायमुनिया (Lantana) उच्चाटन के कार्य : वनक्षेत्र में अनेक भागों में फैले रायमुनिया झुंडुप उच्चाटन कर साफ करना जिससे नए रोपवन लगाए जा सके।

8) चारा विकास : गाव के पशुपालन विषयक बढ़ती जरूरतों के मुताबिक चराई क्षेत्र तथा घास उत्पादन क्षेत्र निर्धारित करना तथा विकसित करना।

9) पुनर्जीवित वृक्ष प्रजातियों का प्रबंधन करना: वनक्षेत्र में उपज रहे वृक्ष प्रजातियों का बेहतर पुनर्जीवन हो कर वन संसाधन विकसीत होने के लिए उनकी देखभाल-जतन, संरक्षण-संवर्धन कार्य का नियोजन एवं प्रबंधन करना।

10) मिश्र रोपवन लगाना : वनों में पहले से वृक्ष प्रजातियाँ थी जो अब कम हो गई हैं, उनका मिश्र रूप से रोपवन लगाना जिनमें, महुआ, आवला, हिरडा, बेहडा, टेमरू, चारोली, बेल, सालई प्रमुखता से हैं।

11) बांस लगाना : अनेक प्रकार की जरूरतों की पूर्ति के लिए, उपयुक्त स्थानों पर हे. क्षेत्र में बांस का रोपवन लगाना।

12) रोप वाटीका :

13) रास्ते-मार्ग बनाना : वन वनसंपत्ती विकास के कार्य तथा जल स्रोतों का उपयुक्त इस्तेमाल एवं प्रबंधन करने हेतू कच्चे मार्ग, पहुँच मार्ग तयार करना, जैसे-चाचरी पाठा, खिडीगाडा अहिरदेव आदि जगहों तक गाव से मार्ग बनें।

14) मुसली प्लाट लगाना : उत्पादन बढ़ोतरी हेतू नियोजन कर मुसली प्लॉन्टेशन प्लॉट विकसित करना।

● कृषि-खेती विकास के कार्य :

1) आठनाडा गाव में कुल 64 परिवार हैं, जो सभी कोरकू आदिवासी हैं इनमें 12 किसान पट्टेधारक हैं जिनकी वहीत खेत जमीन कुल 65 एकड़ है।

2) वन जमीन जोत रहे व्यक्तिगत खेत जमीन के दावे दाखल 14 कास्तकार हैं जिन्हें प्रमाणपत्र मिला है किंतु महसूल नोंद के नमुना 7/12 में नाम नहीं आया है। इनकी कुल जोत जमीन 10 हेक्टर क्षेत्र है।

3) इन सभी किसानों की जमीन साधारण स्वरूप की, उतार-चढ़ाव जैसे भागों पर मुरुमाड मिट्टी की है, जहाँ बारीश पर निर्भर एक फसल लेना ही संभव होता है। सिंचन नाम मात्र के बराबर है। आजिविका की बढ़ती जरूरतों के अनुसार यहाँ जहाँपर भी संभव हो सिंचाई सुविधा तथा मिट्टी-जल संरक्षण के काम करना आवश्यक है। इस हेतु ग्रामसभा ने निम्न कार्य किए जाने का प्रस्ताव रखा है।

- 1) सिंचाई के लिए कुआ।
- 2) ऑईल इंजन।
- 3) इलेक्ट्रीक मोटार पम्प।
- 4) कुओं पर सौर उर्जा पम्प (Solar pump)
- 5) स्प्रिंकलर सिस्टीम/एच.डी.पी. पाईप।
- 6) मिट्टी का धुरा बाँध/पथरो का बाँध/खेत तालाब (शेततले) नाला बाँध।
- 7) सी.सी.टी./वॉट (WAT) सिमेन्ट बंधारा।
- 8) पूर नियंत्रण दिवार : जहाँ जरूरी हो नाले-नदी के किनारे भू-स्तर कटाव, खेती का नुकसान रोकने हेतु।
- 9) नालों का गहराई करण।
- 10) पहले से बनाए सिमेंट बंधारों से गाल निकालना।
- 11) पालतू जानवर, गाय, बैल तथा बकरीयों के लिए कोठा बनाना।

● गांव के सार्वजनिक विकास के प्रस्तावित कार्य :

- 1) पाटिया से आठनाडा गाव पोहच रस्ते का डांबरी करण।
- 2) गांव में खेतों में, थ्री फेस इलेक्ट्रीक लाईन की सुविधा करना।
- 3) गांव में पालतू पशुओं के पीने हेतु पानी की टाकी (धर्माले) बांधना।
- 4) पीने के पानी की सुविधा के लिए प्रत्येक घर में नल कनेक्शन।
- 5) रसोई व्यवस्था बेहतर करना, साथ ही जंगल, लकड़ी की निर्भरता कम करने हेतु, (एल.पी.जी.) गैस कनेक्शन तथा गोबर गैस की सुविधा करना।
- 6) गांव-ग्रामसभा के लिए समाज मंदीर, सभागृह।
- 7) गांव में जानकारी के प्रचार-प्रसार विद्यार्थियों की सुविधा के लिए वाचनालय

स्थापित करना।

8) प्रत्येक घर में शौचालय तथा स्नानगृह।

9) गांव तालाब : गाव की पानी की जरूरत पूर्ति तथा मत्स्यपालन, जानवरों को पीने का पानी आदि के लिए गाव तालाब का निर्माण।



ग्रामसभा आठनाडा

नियम तथा दस्तावेजी नोंद

‘ग्रामसभा’ यह गांव में निर्णय लेने वाली उच्चतम संस्था है जिसमें गांव के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोग, सदस्य के रूप में समाविष्ट हैं।

सभी निर्णय जो नितिगत एवं कार्य क्रियान्वयन से संबंधित हैं। ग्रामसभा में लिए जाएंगे। ग्रामसभा द्वारा लिए गये निर्णयों के क्रियान्वयन की जिम्मेवारी, वन अधिकार कानून के भाग-5 के तहत ग्रामसभा द्वारा गठित विभाग 4 (1)(ई) की समिती पर रहेगी या अन्य समितियाँ जिन्हें ग्राम सभा चुनेगी, वे उस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगी।

- ग्रामसभा का संयुक्त रूप से बैंक खाता रहेगा जिसे 4 (1)(ई) की समिती के कार्य प्रबंध करने वाले सदस्यों द्वारा चलाया जाएगा। बैंक खाता संचालित करने वाले स्वाक्षरीकर्ता में कम - से कम एक शिक्षित महीला सदस्य रहेगी।
- आवश्यकता होने पर सरकारी निधि के लिये ग्रामसभा का एक सरकारी खाता भी होगा जिसे 4 (1)(ई) के सदस्य तथा सरकार द्वारा मनोनीत एक सदस्य द्वारा संचालित किया जायेगा।
- ग्रामसभा प्रति माह कम से कम एक बैठक संपन्न करेगी। इसके अलावा वे जब भी जरूरी समझे अधिक बार सभा करेगी। किसी भी आपात्कालीन परिस्थिती में ग्रामसभा 24 घंटे पूर्व सूचना देकर बुलाई जाएगी, जो नोटीस तथा दवंडी दोनों स्वरूप में सूचित करेगी।
- ग्रामसभा की बैठक उपर दर्शायी समिती के अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित की जाएगी अथवा ग्रामसभा के कम से कम 25 सदस्यों की मांग होने पर ग्रामसभा बुलाई जाएगी।
- ग्रामसभा का अपना कार्यालय होगा, जिसमें सामुहिक वन अधिकार से संबंधित रजिस्टर, रेकॉर्ड, दस्तावेज नियमित जानकारी को पूर्ण रखते हुए बैंक की किताबें, पासबुक तथा अन्य इससे संबंधित दस्तावेज रखे जाएंगे।
- ऑडिट (लेखा परिक्षण) के वित्तीय पद्धतियों के अनुसार ग्रामसभा प्रतिवर्ष अपने हिसाब का ऑडिट कराएगी।

विवादों का निराकरण

सामूहिक वन अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को वन विभाग के सर्वेक्षणकर्ता तथा ग्रामसभा और वन विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा मिलकर निश्चित किया गया।

सभी अंतर्गत विवाद ग्रामसभा में सुलझाये जाएंगे।

गांव से जुड़े सभी बाहरी विवाद ग्रामसभा में सुलझाये जाएंगे। यदि दो गांव की सीमाओं से संबंधित कोई विवाद उपस्थित होता है तो इसे संबंधीत ग्रामसभाओं की संयुक्त बैठक में सुलझाया जाएगा।

चोरी अथवा हिंसा से संबंधित सभी निर्णय ग्रामसभा द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार एक समान रूप से ग्रामसभा करेगी। ग्रामसभा का निर्णय बंधनकारक तथा अंतिम रहेगा।

ऐसे मामले में जब वन या वन की सीमा से संबंधित गांव से बाहरी कोई मामला जो ग्रामसभा में नहीं सुलझ रहा हो, हल निकालने के लिए उपवन संरक्षक (DCF) की ओर भेजा जाएगा। उपवन संरक्षक ग्रामसभा के साथ विचार विमर्श कर इसपर निर्णय लेंगे।

MICRO - PLANNING (ABSTRACT)

Name of Village :- Hatnada, Taluka :- Dharani, District :- Amravati

S.N.	Micro Net Planning	Area	Area Treatment & Planning							
		ha.	Proposed Work	No.	Length (Mtr.)	Section (Sqm.)	Quantity	Rate Rs)	Unit	Amount
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Hatnada		Graded Bonding (G.B.)	33.50 Ha	5527.50	1.05	5803.88	98.28	Cum	570404.84
	(Private land)		Waste Weir (W.V.)	101			101	306.53	Nos	30959.53
			Field Drain (F.D.)		1005.00	0.54	542.70	59.95	Cum	60249.75
			Farm Pond's	2			2.00	100000.00	Nos	200000.00
			Plantion (Fruits)	10.00			10.00	100000.00	Ha	1000000.00
			WAT'S (200 Rmt / Hector)	7.75	1550.00	1.00	7.75	27290.00	Ha	211497.50
			Loose Boulder Structure (0.75 Ht.)	45	427.5	0.75	320.63	235.00	Cum	75346.88
			Loose Boulder Structure (1.00 Ht.)	20	190.00	1.50	285.00	235.00	Cum	66975.00
			Contineous Stone Bonding	3.00	2400.00	0.36	864.00	159.00	Cum	137376.00
			(800 mtr/Ha-Slope 11 to14%)							
	Total	0.00								2352809.49
2	Hatnada	154.910	Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	1	16.00		1.00	40000/Rmt	Nos	640000.00
	(Forest land)		Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	2	14.00		2.00	40000/Rmt	Nos	1120000.00
	Comp.692		Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	1	18.00		1.00	40000/Rmt	Nos	720000.00
			WAT'S (200 Rmt / Hector)	40	8000.00	1.00	40.00	27290/ Ha.	Hector	1091600.00
			WAT'S (400 Rmt / Hector)	50	20000.00	1.00	50.00	53661/ Ha.	Hector	2683050.00
			DCT (634 Rmt / Hector) 0.45 depth	40	25360.00	0.27	40.00	22923/ Ha.	Hector	916920.00
			Loose Boulder Structure (0.75 Ht.)	35	332.50	0.75	35.00	235/Cum	Nos	58603.13
			Loose Boulder Structure (1.00 Ht.)	25	237.50	1.50	25.00	235/Cum	Nos	83718.75
			Contineous Stone Bonding	3	2400.00	0.36	3.00	159/Cum	Hector	137376.00

			(800 mtr/Ha-Slope 11 to14%)							
			Van-Ponds (20x20x3)	6			6.00	132903/ No	Nos	797418.00
			Gabion Structure (G.S.)	45	427.50	1.45	45.00	962/Cum	Nos	596319.75
			Plantation	10.00			10.00	190000.00	Hector	1900000.00
	Total	154.91								10745005.63
	Total	154.91								13097815.12
			Contengencies 3%							392934.45
			Labour Facilities 4.7%							615597.31
			Total							14106346.88
									Say RS	14106400.00

In Words - Rs One Crore Fourty One Lacs Six Thousand Four Hundred Only.

MICRO - PLANNING (YEARWISE)

Name of Village :- Hatnada, Taluka :- Dharani, District :- Amravati

S.N.	Micro Net Planning	Area	Area Treatment & Planning							
		ha.	Proposed Work	No.	Length (Mtr.)	Section (Sqm.)	Quantity	Rate Rs)	Unit	Amount
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Hatnada		Graded Bonding (G.B.)	33.50 Ha	5527.50	1.05	5803.88	98.28	Cum	570404.84
	(Private land)		Waste Weir (W.V.)	101			101	306.53	Nos	30959.53
			Field Drain (F.D.)		1005.00	0.54	542.70	59.95	Cum	60249.75
				Total	6532.50					661614.12
Area Treatment & Planning year- 2										
			WAT'S (200 Rmt / Hector)	7.75	1550.00	1.00	7.75	27290.00	Ha	211497.50
			Plantion	10.00			10.00	100000.00	Ha	1000000.00
			Contineous Stone Bonding	3.00	2400.00	0.36	864.00	159.00	Cum	137376.00
			(800 mtr/Ha-Slope 11 to14%)							
				Total	3950.00					1348873.50
Area Treatment & Planning year- 3										
			Loose Boulder Structure (0.75 Ht)	45	427.50	0.75	320.63	235	Cum	75346.88
			Loose Boulder Structure (1.0 Ht)	20	190.00	1.50	285.00	235	Cum	66975.00
			Farmponds (20x20x3mtr)	2			2.00	100000.00	Nos	200000.00
				Total	617.50					342321.88
	Total	0.000	(Ist+Iind+IIIRD year)		11100.00					2352809.49
Area Treatment & Planning year- 1										
2	Hatnada	154.91	DCT (634 Rmt / Hector) 0.45 depth	20	12680.00	0.27	20.00	22923/ Ha.	Hector	458460.00
	(Forest land)		WAT'S (200 Rmt / Hector)	20	4000.00	1.00	20.00	27290/ Ha.	Hector	545800.00
			Plantation	10.00			10.00	190000	Hector	1900000.00
				Total	16680.00					2904260.00
Area Treatment & Planning year- 2										
			DCT (634 Rmt / Hector) 0.45 depth	20	12680.00	0.27	20.00	22923/ Ha.	Hector	458460.00
			Contineous Stone Bonding	3	2400.00	0.36	3.00	159/Cum	Hector	137376.00
			(800 mtr/Ha-Slope 11 to14%)							
			WAT'S (200 Rmt / Hector)	20	4000.00	1.00	20.00	27290/ Ha.	Hector	545800.00
			Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	1	16.00		1.00	40000/ Rmt	Nos	640000.00
			Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	2	14.00		2.00	40000/ Rmt	Nos	1120000.00
				Total	19110.00					2901636.00

Area Treatment & Planning year- 3										
			WAT'S (400 Rmt / Hector)	50	20000.00	1.00	50.00	53661/ Ha.	Hector	2683050.00
			Loose Boulder Structure (0.75 Ht.)	35	332.50	0.75	35.00	235/Cum	Nos	58603.13
			Loose Boulder Structure (1.00 Ht.)	25	237.50	1.50	25.00	235/Cum	Nos	83718.75
			Van-Ponds (20x20x3)	6			6.00	132903/ No	Nos	797418.00
			Gabion Structure (G.S.)	45	427.50	1.45	42.00	962/Cum	Nos	596319.75
			Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	1	18.00		1.00	40000/ Rmt	Nos	720000.00
				Total	20997.50					4939109.6
	Total	154.91	Total (Forest Land)			56787.50				10745005.6
	Total	154.91	Total (Private+Forest))			67887.50				13097815.1
Contengencies 3%										392934.45
Labour Facilities 4.7%										615597.31
									Total	14106346.9
									Say Rs	14106400.0

MICRO - PLANNING															
Information of proposed work on the forest land															
Name of Village :- Hatnada, Taluka :- Dharani, District :- Amravati															
S N	Mic ro Net Pla nni ng	Details of Area	Classification of Soil & Land						Area Treatment & Planning						
	Co mp. No.	Ha.	Textu re	Dep th	Clas s	Slo pe	Erosi on	Land Use s & Cap abil ity	Proposed Work	Len ^g th (Mtr.)	Se ^c ti on (Sqm)	Quant ity	Rate Rs)	Unit	Amoun t
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
1	692	154.91	SCL	D1	F	S3	E3	Vle s	Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	16.00		1.00	40000/R mt	Nos	640000. 00
									Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	14.00		2.00	40000/R mt	Nos	112000 0.00
									Concrete bandhara (1.50 mtr.Ht.)	18.00		1.00	40000/R mt	Nos	720000. 00
									WAT'S (200 Rmt / Hector)	8000.0 0	1.00	40.00	27290/ Ha	Hecto r	109160 0.00
									WAT'S (400 Rmt / Hector)	20000. 00	1.00	50.00	53661/ Ha	Hecto r	268305 0.00
									DCT (634 Rmt / Hector)	25360. 00	0.27	40.00	22923/ Ha	Hecto r	916920. 00
									Loose Boulder Structure (0.75 Ht)	332.50	0.75	35.00	235/Cu m	Nos	58603.1 3
									Loose Boulder Structure (1.00 Ht)	237.50	1.50	25.00	235/Cu m	Nos	83718.7 5
									Contineous Stone Bonding	2400.0 0	0.36	3.00	159/Cu m	Hecto r	137376. 00
									(800 mtr/Ha- Slope 11 to14%)						
									Van-Ponds (20x20x3)			6.00	132903/ No	Nos	797418. 00
									Gabion Structure (G.S.)	427.50	1.45	45.00	962/Cu m	Nos	596319. 75
									Plantation			10.00	190000	Hecto r	190000 0.00
													TOTAL		107450 05.6

MICRO - PLANNING

Name of Village :- Hatnada, Taluka :- Dharani, District :- Amravati

S.No	Micro Net Planning	Details of Area		Classification of Soil & Land						Area Treatment & Planning			
	Beneficiary Name	Gat No	Ha.	Texture	Depth	Class	Slope	Erosion	Land Uses & Capability	Proposed Work	Length	Quantity	Amount
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1		10		CL	D	2	S4	E	Iles	Farm Pond's	20 x 20 x 3 m.	1	100000.00
2		73		CL	D	2	S4	E	Iles	Farm Pond's	20 x 20 x 3 m.	1	100000.00
	Total											2	200000.00
1		8		CL	D	2	S4	E	Iles	WAT's	200 Rmt/Ha.	0.75	20467.50
2		9		CL	D	2	S4	E	Iles	WAT's	200 Rmt/Ha.	2.00	54580.00
3		68		CL	D	3	S4	E	Iles	WAT's	200 Rmt/Ha.	2.50	68225.00
4		69		CL	D	2	S4	E	Iles	WAT's	200 Rmt/Ha.	1.50	40935.00
5		79		CL	D	3	S4	E	Iles	WAT's	200 Rmt/Ha.	1.00	27290.00
	Total											7.75	211497.5

MICRO - PLANNING															
Name of Village :- Hatnada, Taluka :- Dharani, District :- Amravati															
S. N	Micro Net Plannin g	Details of Area		Classification of Soil & Land						Area Treatment & Planning					
	Benefici ary Name	Ga t. No	Ha.	Textu re	Dep th	Cla ss	Slo pe	Erosi on	Land Uses Capabil ity	Propose d Work	Leng th	Secti on	Quanti ty	Rate	Amount
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
		8	0.65	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	107.25	1.05	112.61	98.28	11067.56
										Waste Weir (W.V.)	2		2	306.53	597.73
										Field Drain (F.D.)	19.50	0.54	10.53	59.95	1169.03
	Total														12834.32
		9	1.00	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	165.00	1.05	173.25	98.28	17027.01
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.53	306.53
										Field Drain (F.D.)	30.00	0.54	16.20	59.95	1798.50
	Total														19132.04
		10	1.20	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	198.00	1.05	207.90	98.28	20432.41
										Waste Weir (W.V.)	4		4	306.53	1103.51
										Field Drain (F.D.)	36.00	0.54	19.44	59.95	2158.20
	Total														23694.12
		11	1.30	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	214.50	1.05	225.23	98.28	22135.11
										Waste Weir (W.V.)	4		4	306.53	1195.47
										Field Drain (F.D.)	39.00	0.54	21.06	59.95	2338.05
	Total														25668.63
		12	1.40	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	231.00	1.05	242.55	98.28	23837.81
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.53	306.53
										Field Drain (F.D.)	42.00	0.54	22.68	59.95	2517.90
	Total														26662.24

		1 4	2.00	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	330.0 0	1.05	346.50	98.28	34054.02
										Waste Weir (W.V.)	6		6	306.5 3	1839.18
										Field Drain (F.D.)	60.00	0.54	32.40	59.95	3597.00
	Total														39490.2 0
		6 4	1.70	SCL	D1	2	S4	E2	Vles	Graded Bonding (G.B.)	280.5 0	1.05	294.53	98.28	28945.92
										Waste Weir (W.V.)	5		5	306.5 3	1563.30
										Field Drain (F.D.)	51.00	0.54	27.54	59.95	3057.45
	Total														33566.6 7
		6 8	1.90	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	313.5 0	1.05	329.18	98.28	32351.32
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.5 3	306.53
										Field Drain (F.D.)	57.00	0.54	30.78	59.95	3417.15
	Total														36075.0 0
		6 9	0.95	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	156.7 5	1.05	164.59	98.28	16175.66
										Waste Weir (W.V.)	3		3	306.5 3	873.61
										Field Drain (F.D.)	28.50	0.54	15.39	59.95	1708.58
	Total														18757.8 5
		7 0	0.85	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	140.2 5	1.05	147.26	98.28	14472.96
										Waste Weir (W.V.)	3		3	306.5 3	781.65
										Field Drain (F.D.)	25.50	0.54	13.77	59.95	1528.73
	Total														16783.3 4
		7 1	1.35	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	222.7 5	1.05	233.89	98.28	22986.46
										Waste Weir (W.V.)	4		4	306.5 3	1241.45
										Field Drain (F.D.)	40.50	0.54	21.87	59.95	2427.98
	Total														26655.8 9
		7 2	1.80	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	297.0 0	1.05	311.85	98.28	30648.62
										Waste Weir (W.V.)	5		5	306.5 3	1655.26

										Field Drain (F.D.)	54.00	0.54	29.16	59.95	3237.30
	Total														35541.18
		7 3	2.10	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	346.5 0	1.05	363.83	98.28	35756.72
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.5 3	306.53
										Field Drain (F.D.)	63.00	0.54	34.02	59.95	3776.85
	Total														39840.10
		7 4	2.90	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	478.5 0	1.05	502.43	98.28	49378.33
										Waste Weir (W.V.)	9		9	306.5 3	2666.81
										Field Drain (F.D.)	87.00	0.54	46.98	59.95	5215.65
	Total														57260.79
		7 5	2.80	SCL	D1	2	S4	E2	Vles	Graded Bonding (G.B.)	462.0 0	1.05	485.10	98.28	47675.63
										Waste Weir (W.V.)	8		8	306.5 3	2574.85
										Field Drain (F.D.)	84.00	0.54	45.36	59.95	5035.80
	Total														55286.28
		7 6	2.65	SCL	D1	2	S4	E2	Vles	Graded Bonding (G.B.)	437.2 5	1.05	459.11	98.28	45121.58
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.5 3	306.53
										Field Drain (F.D.)	79.50	0.54	42.93	59.95	4766.03
	Total														50194.13
		7 7	2.00	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	330.0 0	1.05	346.50	98.28	34054.02
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.5 3	306.53
										Field Drain (F.D.)	60.00	0.54	32.40	59.95	3597.00
	Total														37957.55
		7 8	2.00	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	330.0 0	1.05	346.50	98.28	34054.02
										Waste Weir (W.V.)	6		6	306.5 3	1839.18
										Field Drain (F.D.)	60.00	0.54	32.40	59.95	3597.00
	Total														39490.20

		7 9	1.90	C	D	2	S4	E	Iles	Graded Bonding (G.B.)	313.5 0	1.05	329.18	98.28	32351.32
										Waste Weir (W.V.)	1		1	306.5 3	306.53
										Field Drain (F.D.)	57.00	0.54	30.78	59.95	3417.15
	Total														36075.0 0
		8 0	1.05	SCL	D1	2	S4	E2	Vles	Graded Bonding (G.B.)	173.2 5	1.05	181.91	98.28	17878.36
										Waste Weir (W.V.)	3		3	306.5 3	965.57
										Field Drain (F.D.)	31.50	0.54	17.01	59.95	1888.43
	Total														20732.3 6
	Total														
			33.5 0							Graded Bondin g (G.B.)	5527. 50	1.05	5803. 88	98.28	570404. 84
										Waste Weir (W.V.)	101		101	306.5 3	30806.2 7
										Field Drain (F.D.)	1005. 00	0.54	542.7 0	59.95	60249.7 5
															661460. 85
										Plantati on (Fruits)	10.00	Hect or		1278 00	1278000 .00

परिशिष्ट 2 : स्थानिक तथा शास्त्रीय नाम

LOCAL AND BOTANICAL NAMES OF PLANTS

LOCAL NAME	BOTANICAL NAME (trees)	FAMILY
ACHAR	BUCHANANIA LANZAN	ANACARDIACEAE
AIN	TERMINALIA ALATA	COMBRETACEAE
ALI/AAL/ BARTONADI	MORINDA TINCTORIA	RUBIACEAE
AMALTAS/BAHAWA	CASSIA FISTULA	CAESALPINIACEAE
AM	MANGIFERA INDICA	ANACARDIACEAE
ANJAN	HARDWICKIA BINATE	CAESALPINIACEAE
AMTA	BAUHINIA MALABARICA	CAESALPINIACEAE
ARAN	CASSINE GLAUCA	CELASTRACEAE
APTA/KACHNAR	BAUHINIA RACEMOSA	CAESALPINIACEAE
AONLA	PHYLLANTHUS EMBLICA	EUPHORBIACEAE
ARJUNA/KAHU	TERMINALIA ARJUNA	COMBRETACEAE
BABUL/BABOOL	ACACIA NILOTIA	MIMOSEAE
BAD/WAD	FICUS BENGALENSIS	MORACEAE
BAKAIN/BAKANEEM	MELIA AZADIRACH	MELIACEAE
BEHEAD	TERMINALIA BELLERICA	COMBRETACEAE
BEL	AEGLE MARMELOS	RUTACEAE
BHIRRA	CHLOROXYLON SWIETENIA	RUTACEAE
BHORAL	HYMENODICTYON EXCESUM	RUBIACEAE
BIBA/BHILAWA	SEMECARPUS ANACARDIUM	ANACARDIACEAE
BIJA	PTEROCARPUS MARSUPIUM	FABACEAE
BISTENDU	DIOSPYROS MONTANA	EBENACEAE
BOR/BER	ZIZYPHUS MAURITIANA	RHAMNACEAE
CHANDAN	SANTALUM ALBUM	SANTALACEAE
CHICHWA	ALBIZZIA ODORATISSIMA	MIMOSEAE
CHINCH,IMLI	TAMARICDUS INDICA	CAESALPIACEAE
DHAK,PALAS	BUTEA MONOSPERMA	LEGUMNOSAE
DHAMAN	GREWIA TILIFORLIA	TILIACEAE
DHAORA/DAHAWADA	ANOGEISSUS LATIFOLIA	CAESALPINIACEAE
DHOBAN/PHANSI	DALBERGIA PANICULAT	FABACEAE
GHOTI/GHOT	ZIZYPHUS GLABERRIMA	RHAMNACEAE
HALDU	ADINA CORDIFOLIA	RUBIACEAE
HIWAR	ACACIA LEUCOPHLOEA	MIMOSEAE
HIRDA/HARRA	TERMINALIA CHEBULA	COMBRETACEAE
JAMBHUL/JAMUN	SYZIGIUM CUMINI	MYRTACEAE
KALAM/MUNDI	MITRAGYNA PARVIFLORA	RUBIACEAE
KARANJ	PONGALIA PINNATA	FABACEAE
KARU(CASSIA)	CASSIA SIAMEA	CAESALPINIACEAE
KHAIR	ACACIA CATECHU	MIMOSEAE
KUDA	HOLARRHENA ANTIDYSENTERICA	APOCY NACEAE
KUSUM	SCHLEICHERA OLEOSA	SAPINDACEAE
KUTU	STERCUTIA URENS	STERCULIACEAE
LASORA,GONDON	CORDIA MYXA	BORAGINACEAE

LENDIA/LENDIA/SCHENA/ASAH	LAGERSTROEMIA PARVIFLORA	LYTHRACEAE
LOKHANDI	LXORA ARBOREA	RUBIACEAE
MEDSING	DOLICHANDRONE FALCATA	BIGNONIACEAE
MOHA/MAHUWA	MADHUCA LONGIFOLIA	SAPOTACEAE
MOKHA	SCHREBERA SWIETENOIDES	ARISTOLOCHIACEAE
MOYEN/MOWAI	LANNEA COROMANDELICA	ANACARDIACEAE
NEEM	AZADIRACHTA INDICA	MELIACEAE
PANJARA	ERYTHRINA SUBEROSA	LEGUMINOSAE
PIPAL	FICUS RELIGIOSA	MORACEAE
ROHAN	SOYMIDA FEBRIFUGA	MELIACEAE
SAG/SAGWAN/TEAK	TECTONA GRANDIS	VERBENACEAE
SAJA/AIN	TERMINALIA ALATA	COMBRETACEAE
SALAI	BOSWELLIA SERRATE	BURSERACEAE
SATKUDA/WHITE KUDA	HOLARRHENA PUBESCENS	APOCYNACEAE
SEMAL(BORGU)	BOMBAX CEIBA	BOMBACEAE
SHIWAN/SIWAN	GMELINA ARBOREA	VERBENACEAE
SIRUS(BLACK)	ALBIZZIA LEBBEK	MIMOSEAE
SIRUS(WHITE)	ALBIZZIA PROCERA	MIMOSEAE
SISSOO	DALBERGIA SISSOO	FABACEAE
SITAPHAL	ANNONA SQUAMOSA	ANNONACEAE
TENDU	DIOSPYROS MELANOXYOON	EBENACEAE
TINSA	OUGENIA OOJEINENSIS	FABACEAE
TIWAS	OUGENIA DALBERGIOIDES	LEGUMINOSAE
THUAR	EUPHORBIA NERIIFOLIA	EUPHORBIACEAE
UMBAR	FICUS RACEMOSA	MORACEAE
WARANG/BARANGA	KYDIA CALYCINA	MALVACEAE

B.SHRUBS

BHANDARA	COLEBROOKIA OPPOSITIFOLIA	LABIATAE
BHARATI	GYMNOSPORIA SPINOSA	CELASTRACEAE
CHILLARI	MIMOSA RUICULIS	MIMOSEAE
CHILLATI	CAESALPINIA SEPIARIA	CAESALPINIACEAE
DUDHI/KALAKUDA	WRIGHTIA TINCTORIA	APOCYNACEAE
DHAVATI	WOODFORDIA FLORIBUNDA	LYTHRACEAE
KARI KORANDO	CARRISSA SPINARIUM	APOCYNACEAE
KORAT	BARLERIA PRIONITIS	ACANTHACEAE
KUNDA,INDRAJAV	HOLARRHENA ANTIDYSENTERICA	APOCYNACEAE
MURADSHENG/MARORPHAL	HELICTERES ISORA	STERCULIACEAE
NIRGUDI	VITEX NEGUNDO	VERBENACEAE
SINDHI/CHHINDI	PHOENIX SYLVESTRIS	ARECACEAE(PALMACEAE)
TARWAR	CASSIA AURICULATA	CAESALPINIACEAE
WAGHOTI	CAPPARIS HORRIDA	CAPPARIDACEAE

C. HERBS

DIVALI	TEPHROSIA HAMILTONII	FABACEAE
GAJARGAWAT	PARTHEMIUM HYSTEROPHORUS	ASTRACEAE
GOKRU	TRIBULUS TERRESTRIS	ZYGOPHYLLACEAE
HAMATE	STYLOSANTHES HAMATA	CAESALPINIACEAE
PIVLA DHOTRA	ARGEMONE MEXICANA	PAPAVERACEAE
PIVILI TILWAN	CLEOME VISCOSA	CLEOPACEAE
RANTULSI/BANTULSI	HYPTIS SUAVEOLENS	LAMIACEAE
RANTUR	ATYLOSIA SCARABAEOIDES	FABACEAE
SCABRA	STYLOSANTHES SCABRA	CAESALPINIACEAE
TAROTA	CASSIA TORA	CAESALPINIACEAE

D. GRASSES AND BAMBOOS

BANS/BAMBOO	DENDROCALAMUS STRICTUS	POACEAE
BHURBHUSI	ERAGROSTIS TENELLA	POACEAE
DUSWA/HARYALLI/DOOB	CYNODON DACTYLON	POACEAE
DONGRI GAVAT	CHRYSOPOGON MONTANA	POACEAE
GUHAR, MARWEL	ANDROPAGON ANNULATUS	POACEAE
KANS	SACCHARUM SPONNEUM	POACEAE
KHAS	VETIVERIA ZIZANIOIDES	POACEAE
KODMOR	APLUDA VARIA	POACEAE
KUNDA	ISCHOEMUM PILOSUM	POACEAE
KUSAL	HETEROPOGON CONTORTUS	POACEAE
MUSHAN	ISEILEMA LAXUM	POACEAE
PAONIA	SEHIMA SULCATUM	
SABAI OR SUM	ISCHAEMUM ANGUSTIFOLIUM	POACEAE
SHEDA	SEHIMA NERVOSUM	POACEAE
TIKHADI/RUSA/ROSHA	CYMBOPOGON MARTINI	POACEAE

E. CLIMBERS

BHUIKAND/BAICHEND	DIOSCOREA DAEMONA	DIOSCORIACEAE
CHILATI	ACACIA PINNATA	MIMOSEAE
ERUNI	ZIZYPHUS OENOPLIA	RHAMNACEAE
GUNCHI/GUNJ	ABRUS PRECATORIUS	PAPILIONACEAE
KAJKURI	MUCUNA PRURIENS	FABACEAE
MAHULBEL/MAHUL	BAUHINIA VAHLLI	CAESALPINIACEAE
PALASVEL	BUTEA SUPERBA	FABACEAE
PIWARVEL	COMBRETUM OVALIFOLIUM	COMBRETACEAE
SHATOVA/SATAWARI	ASPARAGUS RACEMOSUS	LILLIACEAE
KAWAVEL, NAGBEL	CRYPTOLEPIS BUCHANANI	ASCLEPIADACEAE

**COMMON AND ZOOLOGICAL NAMES OF THE ANIMALS AND BIRDS COMMONLY FOUND IN AMRAVATI
DIVISION**

LIST OF ANIMALS

COMMON NAME	SCIENTIFIC NAME
PANTHER, BIBTYA	PANTHER PARDUS
STRIPED HYENA, TADAS	HYAENA HYAENA
JANGALI KUTRA, WILD DOG	CUON ALPINUS
JACKAL, KOLH	CANIS AUREUS
INDIAN FOX, LOMAD	VULPES BENGALENSIS
JUNGLE CAT, RAN MANJAR	FELIS CHAUS
BLACK BUCK, KALWIT	ANTILOPE CERVICAPRA
CHEETAL, SPOTTED DEER	AXIS AXIS
BHEKAD, BARKIN DEER	MUNTIACUS URSINUS
NILGAI, BLUE BULL	BOSELAPHUS TRAGOCENMELUS
SLOTH BEAR, ASWAL	MELURSUS URSINUS
COMMON LANGUR	PRESBYTIS ENTELLUS
PORCUPINE, SAYAL, SALU	HYSTRIX INDICA
HARE, SASA	LEPUS NIGRICOLLIS
SAMBAR	CERVUS UNICOLOUR
WILD BOAR, RAN DUKAR	SUS SCROFA

LIST OF BIRDS

COMMON NAME	SCIENTIFIC NAME
POND HERON OR PADDY BIRD	ARDEOLA GRAYJI
CATTLE EGRET	BUBULCUS IBIS
WHITE BREASTED WATERHEN	AMAUORONIS PHOENICURUS
GREY PARTRIDGE	FRANCOLINUS PONDICERIANUS
JUNGLE BUSH QUAIL	PERDICULA ASIATICA
YELLOW WATTLED LAPWING	VANELLUS MALABARICUS
ROSE ROMGED PARAKEET	PSITTACULA KRAMERI
BLOSSON HEADED PARAKEET	PSITTACULA CYANOCEPHALA
ALEXANDRINE PARAKEET	PSITTACULA EUPATRIA
KOEL	EUDYNAMYS SCOLOPACEA
CROW PGEASABT(COUCAL)	CENTROPUS SICENSIS
SPOTTED OWKET	ATHENE BRAMA
COMMON INDIAN NIGHT JAR	CAPRIMULGUS ASIATICUS
WHITE BREASTED KINGFISHER	HALCYON SMYRENESES
COMMON KINGFISHER	ALCEDO ATTHIS
GREEN BEE EATER	MEROPS ORIENTALIS
HOOPOE	UPUPA EPOPS
INDIAN ROLLER	CORACIAS BENGALENSIS
GOLDEN BACKED WOOD PECKER	DINOPIUM BENGHALENSIS
RUFIOUS BACKED SHRIKE	LANIUS SCHACK
GOLDEN ORIOLE	ORIOULUS RIOLUS
BLACK DRONGO	DICRURUS ADSIMILLIS

BRAHMINY MYNA	STURNUS PAGODARUM
COMMON MYNA	ACRIDOTHERES TRISTIS
HOUSE CROW	CORVUS SPLENDENS
JUNGLE CROW	CORVUS MACORTHYNCHOS
SMALL MINIVET	PERICROCOTUS CINNAMONEUS
COMMOM LORA	AEGITHINA TIPHA
RED VENTED BULBUL	PYCNONQUS CAFER
COMMON BABBLER	TURDOIDES CAUDATUS
WHITE THROATED FANTAIL FLYCATCHER	RHIPIDURA ALBICOLLIS
PARADISE FLYCATCHER	TERPSIPHONE PARADISI
MAGPIE ROBIN	COPSYCHUS SAULARIS
IDIAN ROBIN	SAXICOLOIDES FULICATA
GRAY WAGTAIL	MOTACILLA CINEREA
PIED OR WHIT WAGTAIL	MOTACILLA ALBO
GREY TIT	PARUS MAUOR
PURPLE SUNBIRD	NECTARINIA ASIATICA
HOUSE SPARROW	PASSER DOMESTICUS

ENDANGERED WILDLIFE

PANTHER	PANTHER PARDUS
SLOTH BEAR	MELURSUS URSINUS
PEACOCK	PAVO CRISTATUS

परिशिष्ट 3 : ग्रामसभा की नोटीस तथा ठराव

ग्रामसभेची सूचना

सामूहिक वन हक्क व्यवस्थापन समिती [4 (1-e)]

गाव ग्रामसभा : साठनाडा

गट ग्रामपंचायत : ठाडुम

तहसिल : बारठा

जिल्हा : अमरावती

प्रति,

मा.

विषय - वनहक्क कायदा २००६ अंतर्गत मान्यता प्राप्त सामूहिक वन अधिकार क्षेत्राच्या नियोजन व व्यवस्थापन आराखड्याला अंतीम मान्यता देण्याबाबत.

मा. महोदय,

आपणास माहितच आहे की साठनाडा गावाचे सामूहिक वन हक्क अधिकार मान्य झालेले आहे. वन हक्क कायद्याच्या कलम ५ अनुसार सामूहिक वन हक्क व्यवस्थापन समिती, गाव समुदाय आणि 'खोज' संस्थेच्या तांत्रिक सहकार्याने वन नियोजन व प्रबंधन आराखडा तयार करण्यात येत आहे. सदर आराखडा हा वन विभागाच्या कार्य आयोजनेचा भाग म्हणून जोडला जाईल. सदर नियोजनाची मांडणी चर्चा होवून अंतीम स्वरूपात मान्यता या ग्रामसभेत होणार आहे. त्यात आपली मोलाच्या सूचना मिळव्यात याकरीता आपली उपस्थिती महत्वाची आहे. सदर ग्रामसभा बैठक गाव साठनाडा येथे रात्राचे माध्यमागी ठिकाणी दिनांक २८/०५/१८ रोजी ५:०० वाजता आयोजित करण्यात येत आहे.

कृपया, सदर ग्रामसभेत आपण उपस्थित राहून सदर व्यवस्थापन आराखडा अधिक उत्तम स्वरूपात बनविण्यात येण्याकरीता उपयुक्त सूचना व मते मांडवित ही नम्र अपेक्षा. सधन्यवाद

अध्यक्ष/सचिव
आपले विश्वासू

अध्यक्ष/सचिव

सामूहिक वनहक्क व्यवस्थापन समिती साठनाडा

प्रतिलिपी :

- ✓ १. मा. वनरक्षक/वनपाल
- ✓ २. मा. कृषि पर्यवेक्षक
- ✓ ३. मा. पशु वैद्यकीय अधिकारी
- ✓ ४. मा. अभियंता लघु सिंचन
- ✓ ५. मा. विशेष कार्यक्रम अधिकारी म.ग्रा.रो.ह.का. योजना
- ✓ ६. मा. लागवड अधिकारी, सामाजिक वनिकरण
- ✓ ७. मा. वन परिक्षेत्र अधिकारी, कार्यालय
- ✓ ८. मा. संचालक 'खोज' संस्था कार्यालय गौरखेडा कुंभी
- ✓ ९. मा. सरपंच/सचिव गट ग्रामपंचायत कार्यालय

Received
21/05/18

Received
21/05/18

Received
21/05/18

Received
21/05/18

ग्रामसभा :- आठनाडा

हराव :-

PAGE NO.: 46
DATE: / /

ग्रामसभा :- आठनाडा

ग्राम प्रा.पं. काठकुम्भ

लकसिय :- धारणी

जिला :- अमरावती

दिनांक :- २७/०५/१८

आज दि. २७/०५/१८ समय ईश्वरगोत्र आठनाडा की ग्रामसभा बैठक का आयोजन श्री. बंनरजीवालय धाळे (सरपंच) इन की अध्यक्षता में किया गया। इस ग्रामसभा में वन अधिकार कानून - २००६ के तहत ग्राम सांघादिक वन अधिकार क्षेत्र का वन संवर्धन, सुरक्षा संबंधी नियोजन एवं सुबंधन प्रस्ताव का वाचन कर उपमुख्य सूचना एवं सुझावों को जोड़कर मंलिम रूप में सर्व सदस्यों से मंजूर हो गई। जिसके अनुसार

क ग्रामसभा आठनाडा द्वारा घोषित किया जाता है कि, साथ जोड़ा गया वन नियोजन एवं सुबंधन प्रस्ताव का मसौदा पूरी चर्चा कर आज से १० वर्ष के लिए स्वीकृत किया जाता है।

ख यह भी घोषित किया जाता है कि, साथ जोड़ा ग्रामसभा नियोजन एवं सुबंधन प्रस्ताव का मसौदा वन विभाग द्वारा बनाये गये सुबंधन मसौदा/सुझाव नियोजन मसौदा / चालु मसौदा (पुनर्नियोजन पत्र) मॉन्टरिंग प्लान इन से निम्न अनुसार सुसंवधित रहेगा।

- 1) साभ का वन नियोजन एवं प्रबंधन प्रस्ताव का मसौदा इससे आगे वन विभाग का नग प्रबंधन मसौदा / सुक्ष्म नियोजन मसौदा / चालु मसौदा (कृषि-आयोग) आदि में फंलरूक रहेगा।
- 2) वन विभाग का प्रबंधन मसौदा / सुक्ष्म नियोजन मसौदा चालु मसौदा तथा गाव का सांख्यिक वन नियोजन एवं प्रबंधन मसौदा आदि में डानूनी प्रावधानों के अनुसार सुसंगत न हो ऐसा माग वन विभाग के सहकार्य से विचार किया जाएगा।
- 3) ग्राम सांख्यिक वन संसाधन प्रबंधन समिती (अथवा ग्रामसेवक ग्राम पंचायत) इनहोने इस मसौदे के प्रति स्थानिक निष्ठा व संवेदन के मेनेवे बाबद सूचित किया जाता है।
- 4) यह भी बोधित किया जाता है कि यह ग्रामसभा नव नवरी समझौती तक इस प्रबंधन मसौदे में सुधार करना साभ वि वन विभाग के सुक्ष्म / चालु प्रबंधन मसौदे के माग सुधार करने बाबद एक संपन पास रखती है।
- 5) इसके बाद यह भी बोधित किया जाता है कि, कोई भी इस सांख्यिक वन उपक्रम इस ग्रामसभा की पूर्व सुनिता अनुमति अधिकार क्षेत्र में प्रबंधन वृक्ष, रोपण, वृक्षलोड तथा वनों का पुनरुज्जीवन जैसे उपक्रम इस ग्रामसभा की पूर्व सूचित अनुमति के बिना शुरू नही करेंगे। ठराव सर्व सहमती से मसूदा ग्रामसभा में उपस्थित लोग के माग, सही/किंगडा
- 9 श्री. बंसीधर झांडे (अध्यक्ष ग्रा.प. उदुम)
- 2 " सुब्रह्म गौरी वेडेडा (ग्रा.प. सदस्य)

1)	गिरिधर सावान (मि. पृथ्वी) - विप्लव	
2)	सुखराम गोम्वेकर (श. सेवक) - सुखराम	
3)	मंदकिशोर वेठेकर - मंदकिशोर	
4)	मोतीलाल चिलारी मोतीलाल	
5)	महेलाल गोम्वेकर - महेलाल	
6)	सावराम वेठेकर सावराम	
7)	रामचंद्र गोम्वेकर - रामचंद्र	
8)	बाला गोम्वेकर - बाला	
9)	श्रीकाशम काटवेकर श्रीकाशम	
10)	रामलाल चिलारी रामलाल	
11)	रामलाल चिलारी रामलाल	
12)	रमेशचंद्र चिलारी रमेशचंद्र	
13)	मिल्या चिलारी मिल्या	
14)	सुखराम गोम्वेकर सुखराम	
15)	सुनिध गोम्वेकर सुनिध	
16)	गोदालाल काटवेकर गोदालाल	
17)	बुद्ध चिलारी बुद्ध	
18)	श्रीकट काटवेकर श्रीकट	
19)	कालभ गोम्वेकर कालभ	
20)	परसु गोम्वेकर परसु	
21)	हिरालाल गोम्वेकर हिरालाल	
22)	बाबुलाल चिलारी बाबुलाल	
23)	सुरजालाल आर्यकर सुरजालाल	
24)	रामलाल काटवेकर रामलाल	
25)	नमस्थान काटवेकर नमस्थान	

		PAGE NO.: ४७
		DATE: / /
२८	रामचंद्र वेडेकार	रामचंद्र
२९	सुप्रभा जाम्बेकार	सुप्रभा
३०	राजेश वेडेकार	राजेश
३१	सानु वेडेकार	सानु
३२	पुष्पु जाम्बेकार	पुष्पु
३३	सोनजी भावसकार	सोनजी
३४	रामकिसन जाम्बेकार	रामकिसन
३५	नांदू भावसकार	नांदू
३६	सलीकराम जाम्बेकार	सलीकराम
३७	हरिचंद्र जाम्बेकार	हरिचंद्र
३८	साज्जुलाल जाम्बेकार	साज्जुलाल
३९	सीमा वेडेकार	सीमा
४०	राजाराम कारदेकार	राजाराम
४१	वोमा वेडेकार	वोमा
४२	बालकृष्ण भावसकार	बालकृष्ण
४३	उमेश वेडेकार	उमेश
४४	मुन्सी चिलमडी	मुन्सी
४५	कामा चिलमडी	कामा
४६	भनोज कारदेकार	भनोज
४७	सुरेखा भावसकार	सुरेखा
४८	कमल जाम्बेकार	कमल
४९	काळू भावसकार	काळू
५०	प्रकाश वेडेकार	प्रकाश
५१	दीनेस वेडेकार	दीनेस
५२	चिरजीव वेडेकार	चिरजीव
५३	रामचंद्र वेडेकार	रामचंद्र

44	काल्या	जाम्बेकर	काल्या
45	सामुल	फरडे	सामुल
46	हीलीप	जाम्बेकर	हीलीप
47	सुरज	चिलमी	सुरज
48	सोनजी	वेडेकर	सोनजी
49	रामलाल	वेडेकर	रामलाल
50	सोनेकलाल	वेडेकर	सोनेकलाल
51	शमलाल	चिलमी	शमलाल
52	रामलाल	चिलमी	रामलाल
53	मुन्ना	चिलमी	मुन्ना
54	आसराव	जाम्बेकर	आसराव
55	नांकराम	जाम्बेकर	नांकराम
56	आसराव	शीणुकर	आसराव
57	हरि	शीणुकर	हरि
58	गोपल	घान्दे	गोपल
59	कांडु	घान्दे	कांडु
60	सुधलाल	घान्दे	सुधलाल
61	रूपलाल	भापसकर	रूपलाल
62	विशुलाल	कार्देकर	विशुलाल
63	विशु	कार्देकर	विशु
64	अलीश	भापसकर	अलीश
65	हीलीप	जाम्बेकर	हीलीप
66	नांदेजाल	जाम्बेकर	नांदेजाल
67	नांदु	जाम्बेकर	नांदु
68	वासु	भापसकर	वासु
69	विशाराम	चिलमी	विशाराम

60	असेकर	चिलारी	
61	अमरु	कारदेकर	अमरु
62	अरजुन	वेडेकर	वेडेकर
63	चुन्नीलाल	वेडेकर	चुन्नीलाल
64	अरुन	वेडेकर	अरुन
65	दीपक	चिलारी	
66	भोजीलाल	जाम्बेकर-चिलारी	भोजीलाल
67	राविंद्र	जाम्बेकर	राविंद्र
68	तोताराम	जाम्बेकर	तोताराम
69	आजु	जाम्बेकर	आजु
70	नारयण	जाम्बेकर	नारयण
71	पंढरा	चिलारी	पंढरा
72	शंकर	कारदेकर	शंकर
73	शंकलाल	कारदेकर	शंकलाल
74	छोटेमल	कारदेकर	छोटेमल
75	कीसन	जाम्बेकर	कीसन
76	सुधम	चिलारी	सुधम
77	शंभुलाल	चिलारी	शंभुलाल
78	बाबुलाल	वेडेकर	
79	लसडु	वेडेकर	
80	कीसोर	कारदेकर	
81	सुधम	जाम्बेकर	सुधम
82	कोली	जाम्बेकर-चिलारी	कोली
83	बिश्यम	चिलारी	बिश्यम
84	जाखो	चिलारी	जाखो
85	अमिता	वेडेकर	अमिता

१०६	अनिता	जोसेकर	अनिता
१०७	जमुना	जोसेकर	जमुना
१०८	नरवही	वेठकर	नरवही
१०९	सिमाय	चिलाठी	सिमाय
११०	सुखराम	मावस्कर	सुखराम
१११	शमलाल	मावस्कर	शमलाल
११२	मंदलाल	कास्कर	मंदलाल
११३	मोतीलाल	जोसेकर	मोतीलाल
११४	नानी	जोसेकर	नानी
११५	जासवंती	मावस्कर	जासवंती
११६	जमुना	कास्कर	जमुना
११७	पार्वती	कास्कर	पार्वती
११८	सुकर	वेठकर	सुकर
११९	वैशाली	चिलाठी	वैशाली
१२०	मोविंद	कास्कर	मोविंद
१२१	सुखराम	वेठकर	सुखराम
१२२	रामस्कर	चिलाठी	रामस्कर
१२३	किसन	जोसेकर	किसन

परिशिष्ट 4 : संक्षिप्त

१. FRA - वनअधिकार कानून.
२. CFR - सामुहिक वन अधिकार.
३. JFM - संयुक्त वन व्यवस्थापन.
४. DCF - उपवन संरक्षक.
५. CCF - मुख्यवन संरक्षक.
६. CEO - मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद.
७. PO - प्रकल्प अधिकारी (आदिवासी विकास विभाग).
८. ATC - अतिरिक्त आदिवासी आयुक्त.
९. PS - प्रधान सचिव.
१०. ४ (१) ई समिती - गाव की, वन प्रबंधन, नियोजन तथा जैव विविधता समिती.
११. Ha - हेक्टर.
१२. MFP - गौण वन उपज.
१३. NTFP - गैर काष्ठ वन उपज.
१४. WAT - जल शोषक चर.
१५. CCT - समतल सलग चर.
१६. DCT - खंडीत सलग चर.
१७. LBS - दगडी बांध
१८. GS - जाली के बंधारे
१९. CSB - समलग पत्थर बांध
२०. GB - खेती का धुरा बांध
२१. WV - पानी जाने की नाली
२२. FD - सांडवा
२३. Rmt - रनींग मिटर